



सेवा के 25 वर्ष

सुशासन । गरीब कल्याण । राष्ट्र निर्माण

आशीर्वाद का दीया

जिसने जीवन सँवारा, उसे नमन हमारा

एक दीया

आशीर्वाद का, विकसित भारत के संकल्प का,
25 वर्षों की सेवा के सम्मान का

सेवा को साधना मानने वाले

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

के जन्मदिवस के अवसर पर जलाएं आशीर्वाद का दीया

📅 17 सितंबर 2026 ⌚ सायं 07:00 बजे



आइए, एक साथ दीया जलाकर इस विशेष अवसर के सहभागी बनें।



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी
के जन्मदिवस के अवसर पर



यशस्वी प्रधानमंत्री जी
के कुशल नेतृत्व में
नई ऊंचाइयां छूते
मध्यप्रदेश की ओर से

आशीर्वाद
का दीया

उज्जैन की पावन धरती पर
लाखों दीयों से जगमगाएगा
25 साल के सेवा संकल्प का भव्य उत्सव

शिप्रा घाट, उज्जैन

मुख्य अतिथि
नितिन नवीन | अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
17 सितम्बर, 2026

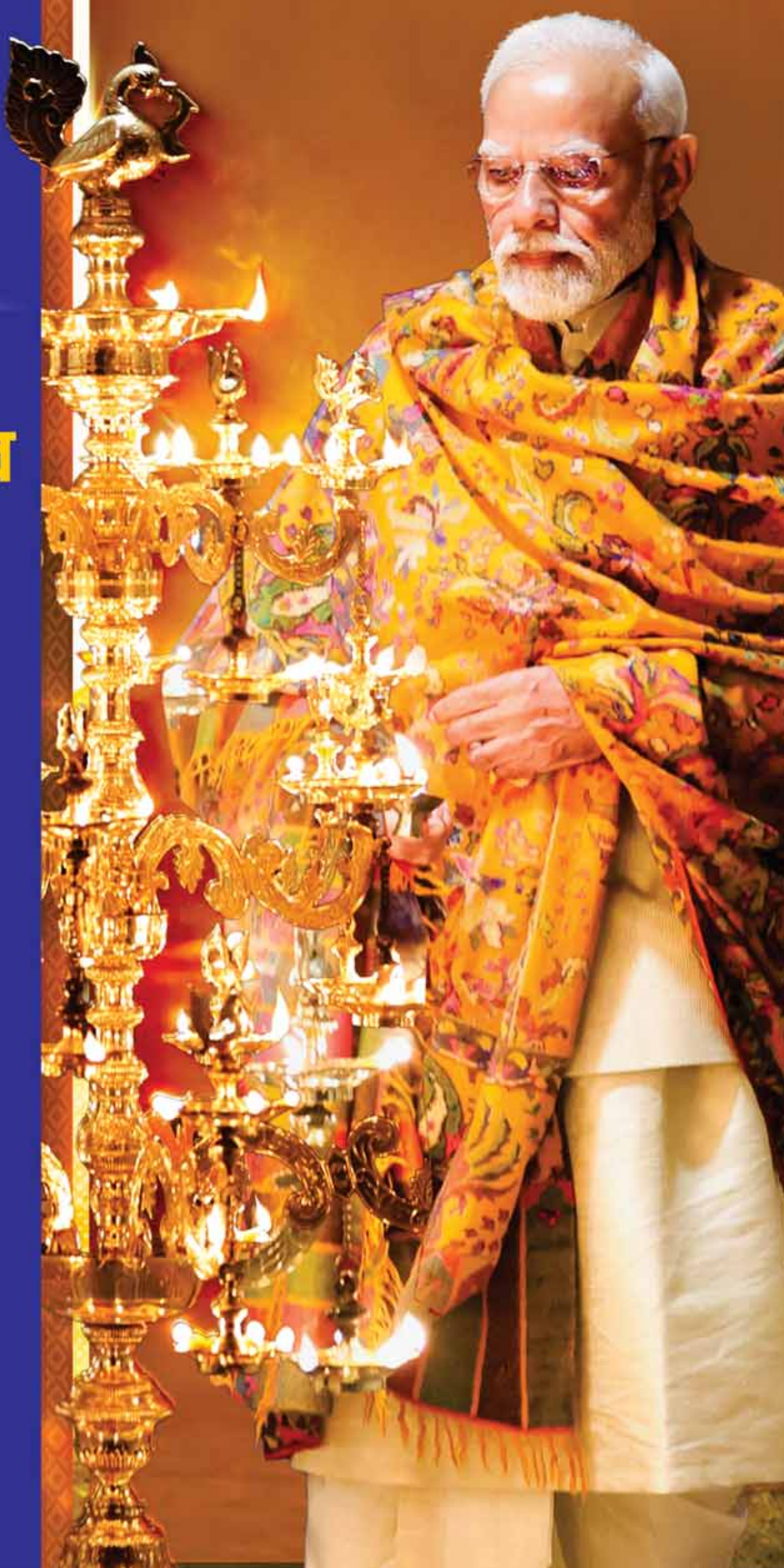


स्वामित्व योजना
अंतर्गत
50 लाख +

निजी संपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री
अभियान का शुभारंभ

गांधी नगर ग्राउंड, इंदौर

हार्दिक
मंगलकामनाएं



D-11116/26

सीधा प्रसारण

Webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP

jansamparkMP

डॉ. रमन बोले- मोदी का नेतृत्व देश के लिए वरदान, चौथी बार भी बनेंगे प्रधानमंत्री

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली और उनके साथ बिताए यादगार पलों को एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर साझा किया। डॉ. सिंह ने कहा, 24 घंटे और 365 दिन देश सेवा में समर्पित रहने वाले नरेंद्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेतृत्व सदी में एक बार मिलता है। दत्तेवाड़ा के आवासीय विद्यालय में बच्चों संग पीएम के ड्रम बजाने से लेकर, बीजापुर में महिला को

अपने हाथों से चरण पादुका पहनाने और 104 वर्ष की वृद्धा कुंवर बाई के पैर छूने जैसे भावुक संस्मरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने पीएम श्री मोदी की असीम संवेदनशीलता और विनम्रता को रेखांकित किया। साथ ही बस्तर से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन में केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प की निर्णायक बताते हुए डॉ. रमन सिंह ने विश्वास जताया कि देश की जनता के अदृष्ट भरोसे के दम पर नरेंद्र मोदी चौथी बार भी देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत का नेतृत्व करेंगे। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ विशेष बातचीत के प्रमुख अंश प्रस्तुत हैं।

सेवा संकल्प दिवस के खास मौके पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की विशेष

■ नरेंद्र मोदी से पहली मुलाकात आपकी कब हुई थी और कैसे हुई थी?

■ एक लंबा समय निकल गया है और मुझे लगता है कि नरेंद्र भाई को काम करते हुए अलग-अलग रूप में, कभी एक अच्छे संगठक के रूप में, कभी प्रदेश में मुखिया के नाते मुख्यमंत्री के रूप में, फिर प्रधानमंत्री के रूप में अलग-अलग भूमिकाओं में लंबे समय तक देखने का अवसर मिला। और मुझे लगता है कि मेरी पहली मुलाकात यदि मैं कहूँ तो वो तो बहुत लंबा समय, जब मुरली मनोहर जोशी की यात्रा में प्रमारी थे। यह मुरली मनोहर जोशी की उस यात्रा का अनुभव मेरे साथ जुड़ा है, मगर मोदीजी के साथ जो परिचय बढ़ा, उस समय तो एक सामान्य कार्यकर्ता और मैं एक छोटा कार्यकर्ता था, वे हमारे राष्ट्रीय महामंत्री संगठन के रूप में काम करते जब छत्तीसगढ़ के प्रभार में भी थे, उस समय भी मिलने का अवसर मिला।

■ जब नरेंद्र मोदी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया गया, तब आपकी पहली प्रतिक्रिया आपके आसपास की क्या थी?

■ मैं उस समय तक संगठन के राष्ट्रीय दायित्व में नहीं था, मगर वह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय रही कि पहली बार इस प्रकार का दायित्व सौंपा गया। कोई महामंत्री संगठन राजनीतिक दृष्टि से मुख्यमंत्री बन जाए, क्योंकि गुजरात की चुनौती बड़ी थी, और बड़ी चुनौती को संभालने के लिए एक मजबूत, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति की जरूरत थी। उस समय संगठन ने सही व्यक्ति का चुनाव किया, जो उस झंझावाती से उस गुजरात को आगे निकालने और विकास की दिशा में ले जाए तो मुझे लगता है कि वह निर्णय उस समय के नेतृत्व ने जो किया, वह बड़ा निर्णय था और उसका नतीजा भी देखने को मिला देश को।

खबर संक्षेप

धीरेंद्र शास्त्री के भाई को हाईकोर्ट से जमानत

जबलपुर। बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के भाई शालिग्राम शास्त्री उर्फ 'छोटे सरकार' को फायरिंग और मारपीट के मामले में मप्र हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जस्टिस

अजय कुमार की एकल पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उनकी नियमित जमानत मंजूर कर दी। छतरपुर के गढ़ा थाना क्षेत्र में गाली-गालीज, लाठी से मारपीट और गोली चलाने का मामला दर्ज है।

अमृत ग्रुप के 17 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

इंदौर। अमृत ग्रुप ऑफ कंपनीज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को इंदौर और कोलकाता में 17 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। जांच एजेंसी के अनुसार, ग्रुप से जुड़ी कंपनियों ने आकर्षक डिजिटल योजनाओं के जरिए लोगों से रकम जुटाई और बाजार से अधिक रिटर्न देने का भरोसा दिलाया।

पीएम मोदी आज सुबह करेंगे 'मन की बात'

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में देश-विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की एक सौ 11वीं कड़ी होगी। मोदी के लगातार तीसरी बार पीएम पद संभालने के बाद 'मन की बात' की यह पहली कड़ी होगी। यह कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट पर प्रसारित होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री के आवास पर धरना रत है अतिथि विद्वान

मध्य प्रदेश के अतिथि विद्वान मंगलवार से उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित बंगले के बाहर धरने पर बैठे हैं। बुधवार सुबह करीब 200 अतिथि विद्वानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला वहां से गुजरते वक़्त रोक लिया। उन्होंने शिवराज को अपनी मांगें बताईं और 11 सितंबर 2023 के उनके आश्वासन याद दिलाए। शिवराज ने

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश के अतिथि विद्वान मंगलवार से उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित बंगले के बाहर धरने पर बैठे हैं। बुधवार सुबह करीब 200 अतिथि विद्वानों ने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का काफिला वहां से गुजरते वक़्त रोक लिया। उन्होंने शिवराज को अपनी मांगें बताईं और 11 सितंबर 2023 के उनके आश्वासन याद दिलाए। शिवराज ने

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला

केंद्र सरकार के इस कदम से अधिक से अधिक श्रमिकों को संगठित क्षेत्र की सुरक्षा मिल सकेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों के ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आने की उम्मीद है, जिससे कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे में काफी वृद्धि होगी। ईपीएफओ वेतन सीमा 2004 से 2014 तक के दशक में अपरिवर्तित रही, सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दिया गया। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि पिछले कुछ सालों में वेतन में लगातार बढ़ोतरी, आय में वृद्धि और औपचारिक रोजगार के लगातार विस्तार को ध्यान में रखा जा सके। इस मंजूरी से प्रभावी योजना के प्रावधानों के अनुसार भविष्य निधि बचत, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन सुरक्षा और कर्मचारी जमा लिंकड बीमा योजना (ईडीएलआई) के तहत बीमा सुरक्षा तक पहुंच का विस्तार होगा।

25 राज्यों से जुटेंगे 1700 युवा 17 से 19 सितंबर तक चलेगी युवा धर्म संसद

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ उज्जैन

उज्जैन में 17 से 19 सितंबर तक तीन दिवसीय युवा धर्म संसद का आयोजन किया जाएगा। देवास रोड स्थित गीता भवन में होने वाले कार्यक्रम में आयोजकों के मुताबिक देश के 24-25 राज्यों से करीब 1700 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इनके अलावा करीब 300 शिक्षक, शोधकर्ता और धर्माचार्य भी अलग-अलग सत्रों में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 18 सितंबर को होगा।

अतिथि विद्वानों ने शिवराज को याद दिलाया वादा जवाब मिला- एक मुख्यमंत्री की घोषणा दूसरे को पूरी करनी चाहिए

फॉलन आउट प्रक्रिया बंद करने से इनकार कर दिया। अतिथि विद्वानों का कहना है कि जब तक नियमितीकरण और स्थायित्व को लेकर ठोस नीति नहीं बनती, तब तक फॉलन आउट प्रक्रिया बंद की जाए। अतिथि विद्वानों ने शिवराज को बताया कि उनके सामने सबसे बड़ा मुद्दा फॉलन आउट प्रक्रिया है। उन्होंने मांग पत्र भी सौंपा। उनका कहना है कि वर्षों से सेवा दे रहे अतिथि विद्वानों के भविष्य की सुरक्षा के लिए नीति बनने तक उन्हें व्यवस्था में बनाए रखा जाए।

51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों के अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आने की उम्मीद ईपीएफओ वेतन सीमा अब 15 हजार से 25 हजार प्रति माह

▶▶ ऐसा इसलिए किया गया है ताकि पिछले कुछ सालों में वेतन में लगातार बढ़ोतरी, आय में वृद्धि और औपचारिक रोजगार के लगातार विस्तार को ध्यान में रखा जा सके

▶▶ ईपीएफ की वेज सीलिंग का मतलब है कि पीएफ की अनिवार्य गणना के लिए कितनी अधिकतम मासिक मजदूरी/वेतन को आधार माना जाएगा

▶▶ ईपीएफओ वेतन सीमा 2004 से 2014 तक के दशक में अपरिवर्तित रही

▶▶ सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दिया गया था

पांच वर्षों में अनुमानित व्यय लगभग 56,696 करोड़

यह वेतन सीमा संशोधन 12 साल बाद

इस प्रस्ताव पर विस्तृत अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया गया और व्यय वित्त समिति ने 16 जून 2026 को आयोजित अपनी बैठक में इसकी सिफारिश की। लगभग 10,250 करोड़ रुपये के मौजूदा वार्षिक बजटीय समर्थन के मुकाबले वार्षिक सरकारी व्यय लगभग 11,339 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। पांच वर्षों में अनुमानित व्यय लगभग 56,696 करोड़ रुपये है।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह वेतन सीमा संशोधन 12 साल बाद किया जा रहा है। ईपीएफओ की वेतन सीमा 2004 से 2014 तक अपरिवर्तित रही थी। यह कदम श्रमिकों के लिए एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा जाल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को भविष्य निधि के दायरे में लाना है।

ओवैसी पर रामेश्वर का पलटवार मिसाइलें चलती थीं और मिसाइलें चलती भी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ भोपाल

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की ओर से दिए गए बयान के बाद भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने पलटवार किया है। शर्मा ने कहा कि वे बैरिस्टर हैं, इसलिए भाषा की मर्यादा का भी ध्यान रखें। दोनों नेताओं के बीच यह बयानबाजी भोपाल के काजी कैप को लेकर दिए गए 'मिसाइल' बयान के बाद तेज हुई है। विधायक ने कहा कि मिसाइल चलती थी, मिसाइल चलती रहेगी।

‘चिता आंदोलन’ पांचवें दिन जारी महिला की मौत: लोग बोले- न्याय दो या मार

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ पन्ना

केन-बेतवा लिंक परियोजना, महगाय और रंझ बांध के साथ सिंगरौली-ललितपुर रेलवे लाइन से प्रभावित किसानों का 'चिता आंदोलन' बुधवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के दौरान टपरियान्विषीएक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। किसानों का कहना है कि न्याय दो या मार दो। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जय किस्सन संघटन के नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर के मुताबिक केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवार नदी में 'जिंदा चिता' बनाकर धरना दे रहे हैं।

उज्जैन में खड़े हनुमान मंदिर के समर्थन में जुटे हजारों श्रद्धालु

मार्ग चौड़ीकरण के दौरान मंदिर को रथास्थान रखने की मांग, सती ने दिलाई संकल्प की राध

लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर यहीं बनाएंगे... के लगे नाते

उज्जैन। सरफा बाजार स्थित खड़े हनुमान मंदिर को मार्ग चौड़ीकरण के दौरान रथास्थान रखने की मांग को लेकर बुधवार को सकल हिंदू समाज ने शक्ति प्रदर्शन किया। मंदिर से कंठाल चौराहे तक करीब एक किलोमीटर क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। आयोजकों के मुताबिक प्रदर्शन में पांच हजार से अधिक लोग शामिल हुए।

दिग्गज एक्टर अनंत नाग को मिलेगा दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

‘पठान’ के गाने ‘बेशरम रंग’ पर नाग ने कहा था- महिलाओं को इस तरह दिखाना बंद करना चाहिए... क्योंकि, यह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं

केजीएफ से नई पीढ़ी में भी बनाई पहचान, 300 से ज्यादा फिल्मों में किया अभिनय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिग्गज एक्टर अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2024 देने का ऐलान हुआ है। उन्हें यह अवार्ड 72वें नेशनल फिल्म अवार्ड सेरेमनी में दिया जाएगा, जो 22 सितंबर को गुजरात के केवड़िया में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनंत नाग को बधाई दी। पीएम मोदी ने वक्स पर लिखा कि दिग्गज अनंत नाग जी को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई।

पद्म भूषण से भी नवाजे गए थे अनंत नाग को 2025 में भारत सरकार ने तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया था। नाग का जन्म 4 सितंबर 1948 को हुआ था। वे कन्नड़ सिनेमा की सबसे मशहूर शिखियतों में से एक हैं। उनके अभिनय की खासियत यह रही है कि उन्होंने अपने लंबे करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का हरिद्वार से हुआ आगाज खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, स्वामी रामदेव ने डाली कबड्डी में रेड -आचार्यकुलम में 100 करोड़ से निर्मित इंडोर स्टेडियम में प्रथम चरण की प्रतियोगिता

हरिद्वार। भारतीय शिक्षा बोर्ड अंतर्गत द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के प्रथम चरण का समापन आचार्यकुलम हरिद्वार के दिव्य और भव्य इंडोर स्टेडियम में हुआ। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पहले चरण का शुभारंभ स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में आचार्यकुलम के 100 करोड़ से निर्मित इंडोर स्टेडियम में कबड्डी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, फुटबाल और रसलिंग में देश के कई प्रांतों से आये खिलाड़ियों ने जमकर अपना दमखम दिखाया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के शुभारंभ के दौरान दिलचस्प पहलू देखने को यह मिला कि स्वामी रामदेव ने भी कबड्डी में रेड की। द्वितीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का अगला चरण वाराणसी, प्रयागराज, बुलंदशहर,



दिल्ली और हापुड़ में होगा। राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का समापन 25 अक्टूबर को होगा। प्रथम चरण के खेल के समापन पर स्वामी रामदेव ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी

खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। भारतीय शिक्षा बोर्ड अंतर्गत दूसरे राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का आगाज 14 और 15 सितंबर को आचार्यकुलम

जीत या पराजय की भावना से नहीं, खेल की भावना से खेला जाना चाहिए। भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने भी देश के कई प्रांतों से आये प्रतिभागियों को उत्साह के साथ अपने खेल के प्रदर्शन की बात कही। भारतीय शिक्षा बोर्ड के राष्ट्रीय को-आर्डिनेटर स्वामी पुण्यदेव ने बताया कि प्रथम चरण के बाद दूसरे चरण के खेल प्रतियोगिता की शुरुआत 19-20 सितंबर को वाराणसी में, 26-27 सितंबर को प्रयागराज में, 3-4 अक्टूबर को बुलंदशहर में, 10-11 अक्टूबर को दिल्ली में, 24-25 को हापुड़ में होगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के समापन पर विजयी खिलाड़ियों को स्वामी रामदेव ने ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस वित्त वर्ष 2026 के दौरान मध्य प्रदेश में 100% दावा निपटान अनुपात के साथ नेतृत्व की स्थिति में

जबलपुर।आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान मध्य प्रदेश में 100% दावा निपटान अनुपात दर्ज किया, जो उद्योग में अग्रणी आँकड़ा है। कंपनी की इस पहल से परिवारों को मुश्किल घड़ी में समय पर आर्थिक मदद मिली है। कंपनी ने राज्य में टर्म प्लान (रिटेल प्रोटेक्शन) व्यवसाय के संबंध में वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान साल-दर-साल के आधार पर 72.10% की जबरदस्त बढ़ोतरी भी दर्ज की। कंपनी ने 31 मार्च, 2026 तक राज्य में 11,93,966 लोगों को बीमा सुरक्षा प्रदान की। मध्य प्रदेश में लिंकड, गैर-लिंकड और एन्युइटी व्यवसाय समेत कंपनी के बचत व्यवसाय की भी अच्छी मांग है। राज्य में 31 मार्च, 2026 तक कंपनी की प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 6,256 करोड़ रुपए थी। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने राज्य में 31 मार्च, 2026 तक 73,100 करोड़ रुपए का सम एश्योर्ड दर्ज किया और पिछले सात साल में, कंपनी ने मध्य प्रदेश राज्य में अपने ग्राहकों को कुल 2,300 करोड़ के विभिन्न किस्म के लाभ प्रदान किए। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में आवश्यक स्वीकृति मिलने पर कंपनी का नाम बदलकर 'आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड' करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। 31 मार्च, 2026 तक, कंपनी के पास मध्य प्रदेश में 22 शाखाएँ और 11,506 सलाहकार, साथ ही 4,986

भागीदार शाखाएँ और 3,963 निर्दिष्ट व्यक्ति भी थे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के वितरण प्रमुख, श्री भरत गुंटी ने कहा, "मध्य प्रदेश हमारी कंपनी के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। साथ ही, यहाँ के शहरी और उभरते हुए, दोनों तरह के केंद्रों में उल्लेखनीय गति नजर आ रही है। पिछली कुछ तिमाहियों में, ग्राहकों के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव नजर आया है। लोग अपने कुल वित्तीय लक्ष्यों के अंग के रूप में वित्तीय सुरक्षा, दीर्घकालिक बचत और सेवानिवृत्ति योजना को प्राथमिकता दे रहे हैं। वितरण, डिजिटल क्षमताओं, अलग-अलग तरह के उत्पादों और ग्राहकों के साथ जुड़ाव में हमारे निरंतर निवेश से हमें इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद मिल रही है।" "हमारी कंपनी की रणनीति, ग्राहकों के लिए अपने भविष्य की योजना बनाना और उसे नियंत्रित करना आसान बनाने पर केंद्रित है। हमारे सभी प्रयास इसी उद्देश्य पर आधारित हैं।" "हमारी कंपनी ग्राहकों के पूरे बीमा चक्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटलीकरण का इस्तेमाल करती है। विशेष बात यह है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान, पूरी कंपनी के स्तर पर, हमारी लगभग 54% बचत पॉलिसी आवेदन वाले दिन जारी की गई।



अजंता कनेक्ट 2026 में नई कलेक्शन, स्मार्ट शू इन्वोवेशन और फुटवियर के भविष्य की झलक

कोलकाता। अपनी गौरवशाली 70 वर्षों की विरासत का जश्न मनाते हुए अजंता शूज ने कोलकाता स्थित टी सी रॉयल बंगाल में अजंता कनेक्ट 2026 का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर अजंता शूज के चेयरमैन सुब्रत बानिक, सांनििक बानिक (एमडी), जयदेव चटर्जी (डायरेक्टर), धर्मवीर जैन (वाइस प्रेजिडेंट सेल्स एंड मार्केटिंग), पार्थ दास गुप्ता (जनरल मैनेजर सेल्स) तथा कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक भव्य अवार्ड समारोह रहा, जिसमें कंपनी के सम्मानित डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स और चैनल पार्टनर्स को उनके महत्वपूर्ण योगदान और साझेदारी के लिए सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अजंता शूज की नयी फेस्टिव कलेक्शन का भी भव्य अनावरण किया गया। आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई इस नई कलेक्शन में यूनिक, समकालीन और प्रीमियम रेंज के फुटवियर पेश किए गए हैं कंपनी के एथेलएक्स्योर ब्रांड



इम्पेक्टो ने भी इस अवसर पर अपना नया लुक बुक लॉन्च किया। इसमें स्नीकर्स, बेयरफुट, रनिंग और लाइफस्टाइल फुटवियर की एक नई स्टेटमेंट कलेक्शन प्रस्तुत की गई, जिसमें विशेष रूप से जेन-जी, कंटेम्पररी और एथेलएक्स्योर अपील को ध्यान में रखा गया है। इन्वोवेशन के इस प्रदर्शन को एक नई ऊँचाई देते हुए इम्पेक्टो के एमडी सांनििक बानिक ने नेविगेटर 2.0 — भारत का पहला एआई इनेबल्ड शू लॉन्च किया। यह उपलब्धि ब्रांड की पारंपरिक विरासत से आधुनिक तकनीक और इन्वोवेशन की ओर बढ़ती यात्रा में एक और

महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है। यह आयोजन अजंता के उस विजन को दर्शाता है, जिसमें 70 वर्षों के विश्वास और विरासत को आधुनिक डिजाइन, इन्वोवेशन और नई पीढ़ी की बदलती आकांक्षाओं के साथ जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम में अजंता की सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रमुखता से रेखांकित किया गया। कंपनी की "कदम कदम सफाई की ओर" क्लीन इंडिया इनिशिएटिव के माध्यम से समुदायों को स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा और नियमित आदत बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

आईसीएफआई टीम ने परिणाम आधारित शिक्षा को अधिक विद्यार्थी केंद्रित बनाया

हेदराबाद। आईसीएफआई के संकाय सदस्यों की एक टीम ने परिणाम-आधारित शिक्षा को अधिक सुक्ष्म, छात्र-केंद्रित और व्यावहारिक बनाने के लिए एआई/एमएल आधारित आर्किटेक्चर विकसित किया है, जो वर्तमान में संस्थानों द्वारा अपनाए जा रहे मुख्य रूप से मान्यता-आधारित परिणाम मापन दृष्टिकोण से आगे बढ़कर एक नया आयाम प्रदान करता है। "एक मूलभूत ऑनलाइन एमबीए पाठ्यक्रम में अधिगम परिणामों की सुक्ष्म गणना के लिए एआई/एमएल आर्किटेक्चर के उपयोग का अन्वेषण" शीर्षक वाला यह शोध कार्य, 17-20 अगस्त, 2026 को जर्मनी के ब्रेमेन में आयोजित शैक्षिक प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर प्रसाद आर. द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सम्मेलन में 54 देशों से 500 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए और लगभग 900 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे शैक्षिक प्रौद्योगिकी और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और अभ्यास के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच उपलब्ध हुआ।

ऋण चुकाने वाले ग्राहकों को मिलेगा 'गोल्ड रिवार्ड'

नई दिल्ली। आरबीआई में पंजीकृत एनबीएफसी-एमएफआई डीजेटो माइक्रोफाइनेंस ने अपने संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) ग्राहकों के लिए 'गोल्ड रिवार्ड' पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य नियमित और समय पर ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले ग्राहकों को प्रोत्साहित करना तथा जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत, बिना किसी देरी के निर्धारित समय पर माइक्रोफाइनेंस ऋण का पुनर्भुगतान करने वाले पात्र ग्राहकों को उनके द्वारा भुगतान किए गए व्याज की राशि के 2 प्रतिशत के बराबर गोल्ड रिवार्ड दिया जाएगा। यह योजना डीजेटो माइक्रोफाइनेंस के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, असम और पश्चिम बंगाल स्थित नेटवर्क में लागू की जा रही है। डीजेटो माइक्रोफाइनेंस के सीओओ अविनाश कुमार ने कहा कि समय पर पुनर्भुगतान वित्तीय अनुशासन और ग्राहक तथा वित्तीय संस्था के बीच भरोसे को दर्शाता है।

बेचना है
बेचना है - बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें - 7898855268 (बिलासपुर/05/ अक्टू.)

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सं. : एलआरसी_आरएससी_पैक्टोफम_आरएससी_735, दिनांक 14.09.2026; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (एलएचबी), पूर्व रेलवे, शिवपुरा, हबबड़ा, पिन- 711204 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए वितीय एवं तकनीकी क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन ई-निविदाएं (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती है: कार्य का नाम: एलएचबी कोचों में बच्चों एवं सीटों का रेट्रोफिटिंग। कार्य की अनुमानित लागत: रु. 36,52,40,123.41। बयाना राशि: रु. 73,04,800। निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य; निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 05.10.2026 को 14.00 बजे। बेबसाइट जहां निविदा का संपूर्ण विवरण उपलब्ध है: www.ireps.gov.in निविदा सूचना के प्रकाशन के उपरान्त प्रकाशित किसी भी शुद्धिक, चार कोई हो, के लिए निविदाताओं को निर्यात रूप से आईआरईपीएस पोर्टल देखने की सलाह दी जाती है। (MISC-187/2026-27) निविदा सूचना संख्या: www.eindianrailways.gov.in www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है। हमें अनुसरण करें: IR@EasternRailway easternerailwayheadquarter

राशिफल

मेघ
आज आपकी राशि में सूर्य, बुध, मंगल आदि ग्रहों का प्रभाव है। नई योजनाओं पर अमल करें, लेकिन जल्दबाजी से बचें। खरीदारी से खुशी मिलेगी।

वृष
संपति या खरीदारी संबंधी फैसले फायदेमंद साबित होंगे। परिवार के साथ समय बिताएं, रोमांस में मिठास आएगी।

मिथुन
संसार और धिवारों में तेजी आएगी। नए संपर्क बनेंगे, लेकिन निर्णय लेते समय सावधानी बरतें। यात्रा या छोटे कामों में सफलता मिल सकती है।

कर्क
आज आंतरिक शांति और भावनात्मक संतुलन पर जोर रहेगा। परिवार से संबंध मजबूत होंगे। करियर में थोड़ी चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य रखें।

सिंह
ऊर्जा और आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व के अवसर मिलेंगे। करियर में प्रगति संभव, लेकिन टीम वर्क पर ध्यान दें। प्रेम में रोमांस फलेगा।

कन्या
व्यवस्थित दिन रहेगा। काम की बारीकियों पर फोकस करें, सफलता मिलेगी। वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें। प्रेम में समझदारी दिखाएं।

तुला
धन संबंधी फैसले सकारात्मक रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियंत्रण रखें। सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी।

वृश्चिक
गहन विचार और रहस्यों में रुचि बढ़ेगी। वित्तीय मामलों में सतर्क रहें, लेकिन निवेश के अवसर मिल सकते हैं। प्रेम में गहराई आएगी।

धनु
करियर में प्रगति, लेकिन योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन लाभ संभव। प्रेम जीवन आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन अति सक्रियता से बचें।

मकर
व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। धन का प्रबंधन अच्छा करें। स्वास्थ्य में सुधार, लेकिन ठंड या थकान से सावधान रहें। दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं।

कुंभ
करियर में अप्रत्याशित अवसर आ सकते हैं। प्रेम में रोमांच रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य, लेकिन मानसिक शांति बनाए रखें। दोस्तों से मदद मिलेगी।

मीन
भावनात्मक गहराई आज बढ़ेगी। आध्यात्मिक रुचि बढ़ सकती है। करियर में सावधानी बरतें, छोटी चुनौतियां आ सकती हैं। धन पर नियंत्रण रखें।

शब्द पहली - 6350

	1	2	3	4	5	6
7				8		9
		10			11	12
13				14		15
					16	
19	20	21		22	23	24
					25	
26		27		28		29
			30	31	32	33
34	35		36			37
					39	
38						

बाएँ से दाएँ
1. आरोपित, तथाकथ्य-5
4. प्रलय, वज्रपात-4
7. परिमाण, माप-2
8. प्लेट, तश्तरी-3
9. भीमा हुआ-2
10. वेश्या, गणिका-4
11. ज्वालामुखी से निकला द्रव पदार्थ-2
13. अपवित्र (उर्दू)-3
14. दान करने वाला-2
15. आंचल-3
17. पंख-2
19. चाहे जो भी हो -5
22. अनूठापन, विचित्रता-5
25. उम्मीद, आस-2
26. अनाशवान, अक्षय-3
28. सुनील शेटी की पहली फिल्म-2
29. बंदर, मुकंद-3
30. सम्मान, आदर-2
32. करामात, करिष्मा-4
34. नवीन, नव-2

36. नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37. शारीरिक ऊंचाई-2
38. भाग्य, लक-4
39. रावण, दशानन-5
ऊपर से नीचे
1. तपस्या-2
2. कॉफी-3
3. तरफदारी करनेवाला-5
4. जन जाति, झुंड-3
5. वोट-2
6. बहई, खाती-4
7. जो मुनासिब न हो-5
10. भाग्य (उर्दू)-4
12. प्रतिज्ञा, वचन-2
16. राजा, राजन-3
17. क्षण-2
18. संपूर्ण, देवी का एक नाम-2
20. रंनिवास (उर्दू)-3
21. नुकसान, घाटा-2
22. रजनी, रात्रि-2
23. अनुपम, बेजोड़-4

24. जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25. आतंक फैलानेवाला-5
26. धरोहर, थाती-4
27. लक्ष्मी-2
31. निगाह, दृष्टि-3
33. बैचनी, परेशानी, संघर्ष-3
35. लड़ाई में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37. टैक्स, हाथ-2

सूडोकु बवताल - 6360

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

सूडोकु बवताल - 6359 का हल
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने आवश्यक है।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहली का केवल एक ही हल है।

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

हाईकोर्ट ने कहा मीडिया के सामने मृतक का बयान अपने आप मृत्यु पूर्व बयान नहीं बन जाता

जबलपुर। राज्य की ओर से आवेदन का विरोध किया गया। सरकार की ओर से कहा गया कि निचली अदालतों के' कोई कानूनी त्रुटि नहीं है। राज्य ने बताया कि मर्ग की जांच पहले ही की जा चुकी है। इस दौरान संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए गए थे और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य सामग्री की भी जांच की गई थी।

राज्य की ओर से यह भी कहा गया कि मेडिकल सामग्री से यह साबित नहीं होता कि मृतक की मौत कथित मारपीट के कारण हुई। पुलिस और मजिस्ट्रेट की जांच में भी संबंधित पुलिस अधिकारी द्वारा मारपीट किए जाने के आरोप की पुष्टि नहीं हुई। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि मजिस्ट्रेट ने पुलिस रिपोर्ट और मर्ग कार्यवाही के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों पर विचार करने के बाद एफआईआर दर्ज करने का निर्देश नहीं दिया है। इसके बजाय आवेदन को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 200 के तहत शिकायत के रूप में आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई है। न्यायालय ने कहा कि कानून में ऐसी प्रक्रिया अपनाने की अनुमति है। पीठ ने कहा कि पत्नी के सामने ऐसा नहीं है कि उसके पास कोई प्रभावी कानूनी उपाय उपलब्ध नहीं है।



वह मजिस्ट्रेट के समक्ष साक्ष्य पेश कर सकती है। इसके बाद मजिस्ट्रेट दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 200 और 202 के तहत आगे की कार्रवाई कर सकता है। परिस्थितियों के अनुसार कानून में उपलब्ध अन्य प्रक्रिया भी अपनाई जा सकती है।

हाई कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सामने मृतक द्वारा कथित रूप से दिया गया बयान इस स्तर पर निर्णायक रूप से मृत्यु पूर्व बयान नहीं माना जा सकता। न्यायालय के अनुसार

उसकी वास्तविकता, उसमें कही गई बातों और साक्ष्य के रूप में उसकी अहमियत को उपलब्ध सबूतों के आधार पर साबित करना होगा। इसी तरह न्यायालय ने जिला प्रशासन की ओर से परिवार को दी गई 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि के आधार पर भी कोई स्वतः निष्कर्ष निकालने से इनकार किया। कोर्ट ने कहा कि केवल अनुग्रह राशि दिए जाने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि मौत हत्या के कारण हुई या उसमें पुलिसकर्मियों की भूमिका थी। पत्नी की ओर से पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कथित हेरफेर का आरोप भी लगाया गया था। इस बिंदु पर हाई कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि अंतर्निहित अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करते हुए इस स्तर पर विभिन्न सामग्रियों का तुलनात्मक मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।

पीठ ने अंततः कहा कि मृतक की पत्नी के पास मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रभावी कानूनी उपाय उपलब्ध है। निचली अदालतों के आदेशों में अधिकार क्षेत्र संबंधी कोई त्रुटि, स्पष्ट विकृति या गंभीर कानूनी खामी भी नहीं मिली। इन परिस्थितियों में हाई कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी।

251 बोटल अंग्रेजी शराब, 2 मोबाइल और कार जब्त; 2 आरोपी गिरफ्तार कार में शराब की खेप लेकर टिकाना बदलने निकले थे, पुलिस ने दबोचा

जबलपुर। अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के दौरान मादोताल पुलिस ने बड़ी खेप के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ग्राम बसा में दबिशा देकर कार से 251 बोटल अंग्रेजी शराब बरामद की, जिसकी कीमत करीब 2.25 लाख रुपये बताई गई है। मौके से दो एंड्रॉयड मोबाइल और शराब परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर की कार भी जब्त की गई है।

मादोताल थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार के अनुसार, 15 सितंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बसा में ग्रियांश अग्निहोत्री के घर के सामने सड़क पर एक कार में बड़ी मात्रा में शराब रखी है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबिशा दी। मौके पर पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे दो युवकों को पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम 28 वर्षीय ग्रियांश अग्निहोत्री निवासी ग्राम बसा और 22 वर्षीय आशुतोष उर्फ चुंगा यादव निवासी ग्राम मड़ई रांड़ी बताए।

19 पेटियों में भरी थी शराब

तलाशी के दौरान कार में 19 कार्टून मिले। इनमें रॉयल स्टैग, रॉयल स्टैग बैरल सिलेक्ट, ब्लैंडर्स प्राइड, मैजिक मूमेंट, मेकडोवेल्स, 8 पीएम, आइकोनिक व्हाइट, रॉयल व्हेलज, बैगपाइपर और ऑफिसर्स चॉइस सहित विभिन्न ब्रांड की शराब मिली। इसके अलावा कार के पोर में रखे एक बड़े काले थैले से भी अलग-अलग ब्रांड की शराब बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब 10 दिन पहले मोरीघाट निवासी अर्जुन केवट से बिक्की के लिए 25 पेटी अंग्रेजी शराब मंगाई गई थी। आशुतोष उर्फ चुंगा ने कथित तौर पर अर्जुन केवट की बिना नंबर की कार से शराब बसा स्थित घर तक पहुंचाई थी।

पुलिस की लगातार गश्त के कारण शराब को दूसरी जगह शिफ्ट करने की तैयारी थी। इसी दौरान आशुतोष को बुलया गया और दोनों आरोपी कार में 19 पेटी शराब रख चुके थे। पोर में रखा थैला कार में रखने से पहले ही पुलिस ने दबिशा देकर दोनों को पकड़ लिया। पुलिस ने 251 बोटल शराब, कीमत करीब 2.25 लाख रुपये, दो मोबाइल और शराब परिवहन में प्रयुक्त कार जब्त की है। कार की नंबर प्लेट पर अंग्रेजी में ‘एमपी हाईकोर्ट’ लिखा हुआ था, जबकि रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 20 जेडएच 1055 अंकित बताया गया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

‘सनातन कैलेंडर एआई’ और ‘अंतर-गीता’ ऐप का विमोचन

जबलपुर। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने मोघा़ल स्थित मंत्रालय में जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा विकसित ‘सनातन कैलेंडर एआई’ एवं ‘अंतर-गीता’ मोबाइल ऐप का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक का समन्वय युवाओं को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने के साथ नवाचार को नई दिशा दे सकता है। मंत्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में जीवन को सार्थक और संतुलित बनाने वाला व्यापक ज्ञान निहित है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से इसे सरल, सहज और युवाओं के अत्यंतूल स्वरूप में प्रस्तुत



करना समय की आवश्यकता है। कॉलेज द्वारा विकसित ‘सनातन कैलेंडर एआई’ में पंचांग, व्रत-पर्व, पूजा-विधि एवं धार्मिक ज्ञान को डिजिटल माध्यम से उपलब्ध

कराने का प्रयास किया गया है। वहीं ‘अंतर-गीता’ ऐप के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक से श्रीमद्भगवद्गीता के जीवनोपयोगी ज्ञान एवं संदेश को नई पीढ़ी तक सहज और संवादात्मक तरीके से पहुंचाने की पहल की गई है। मंत्री ने इस नवाचार के लिए कॉलेज की टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों में नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी प्रयोगों की भावना को प्रोत्साहित करेंगे। इस

अवसर पर प्राचार्य डॉ. राजीव चंडक, डॉ. कमल कुमार कुशवाहा, डॉ. सौरभ सिंह, छात्र अमय बैरागी एवं छात्रा अविशा गुप्ता सहित टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शैक्षणिक रुकावट से अवसाद में था माता-पिता का इकलौता पुत्र ओम

फांसी के फंदे पर झूलता मिला जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज का छात्र

जबलपुर। रांड़ी थाना क्षेत्रांतर्गत में गांधी व्यायामशाला के समीप स्थित एक निजी हॉस्टल में रहने वाले शासकीय जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज (जीईसी) के मैकेनिकल संकाय के (सेमेस्टर सात) में अध्ययनरत ओम पांडे का शव फांसी के फंदे पर लटका पाया गया। रांड़ी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी से मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा तब हुआ जब कमरे में रहने वाले 2 अन्य साथी किसी काम से बाहर गए थे। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। पड़ोस में होशियार इस छात्र की कुछ समय पहले तबीयत खराब हो गई थी, जिससे कुछ विषयों में



सप्लीमेंट्री आने के बाद से वह गंभीर डिप्रेशन में चल रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना बाद पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जाता है कि हादसे के दिन ओम पांडे हॉस्टल के कमरे में पूरी तरह अकेला रह गया था।

तिरंगा के अपमान का लगा था आरोप

मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के खिलाफ परिवाद खारिज

जबलपुर। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट डीपी सूत्रकार ने परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के अपमान संबंधी परिवाद खारिज कर दिया। न्यायालय ने कहा कि प्रस्तुत फोटो में वाहन नंबर नहीं है और ऐसा कोई प्रमाण भी नहीं है कि तिरंगा मंत्री ने स्वयं या उनके निर्देश पर लगाया था। वीडियो भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इसलिए मंत्री के खिलाफ सज़ाान लेने योग्य पर्याप्त आधार नहीं मिला। परिवामी नरसिंहपुर निवासी कौशल सिलावट ने आरोप लगाया था कि 11 अगस्त, 2024 को गाडरवारा से चितली तक निकाली गई तिरंगा यात्रा के दौरान मंत्री वाहन के बोमट पर खड़े थे और तिरंगा इस तरह लगाया गया था कि वह उनके पैरों को छू रहा था। इसे राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत अपराध बताया गया था। मंत्री की ओर से अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि संबंधित वाहन उनका शासकीय अथवा निजी वाहन नहीं था और न ही उन्होंने तिरंगा लगाया था।

त्योहारों पर पमरे से चलेंगी स्पेशल ट्रेनों की 54 सेवाएं

जबलपुर। दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान बढ़ने वाले यात्री यातायात को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए चार मार्गों पर पूजा स्पेशल ट्रेनों की 54 सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। इनमें वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। कटनी-सतना-कटनी के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 10 अक्टूबर से 22 नवंबर तक प्रतिदिन चलेगी। कटनी से सुबह 5:45 बजे रवाना होकर 8:45 बजे सतना पहुंचेगी, जबकि वापसी में सतना से शाम 6:30 बजे चलकर रात 8:50 बजे कटनी पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में पटवारा, झुकेही, पकरिया रोड, अमदरा, मैहर, उचेहरा सहित अन्य स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। रीवा-रानी कमलापति साप्ताहिक सुपरफास्ट पूजा स्पेशल की चार-चार सेवाएं 17 व 24 अक्टूबर तथा 7 व 14 नवंबर को चलेंगी। वहीं जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन और जबलपुर-हरिद्वार के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों की पांच-पांच सेवाएं दोनों दिशाओं में संचालित होंगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से समय-सारिणी और ठहराव की जानकारी के लिए NTES ऐप अथवा रेलवे की ऑनलाइन पूछताछ सेवा का उपयोग करने की अपील की है।

गांजा सप्लाई मामले में फरार महिला बरगढ़ से गिरफ्तार

जबलपुर। थाना जीआरपी जबलपुर पुलिस ने गांजा के अवैध विक्रय, लेन-देन एवं सप्लाई से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। कार्रवाई में आरोपी का लगभग 15 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। कार्रवाई थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजीवनी

पुलिस के अनुसार थाना जीआरपी जबलपुर में दर्ज धारा 8/20 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण की विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर लीजा रानी साहू की संलिप्तता सामने आई थी। पुलिस का आरोप है कि महिला बरगढ़, उड़ीसा से गांजा की सप्लाई करा रही थी। प्रकरण दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रही थी। लगातार पतासाजी और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने उसे बरगढ़ से दस्तयाब कर

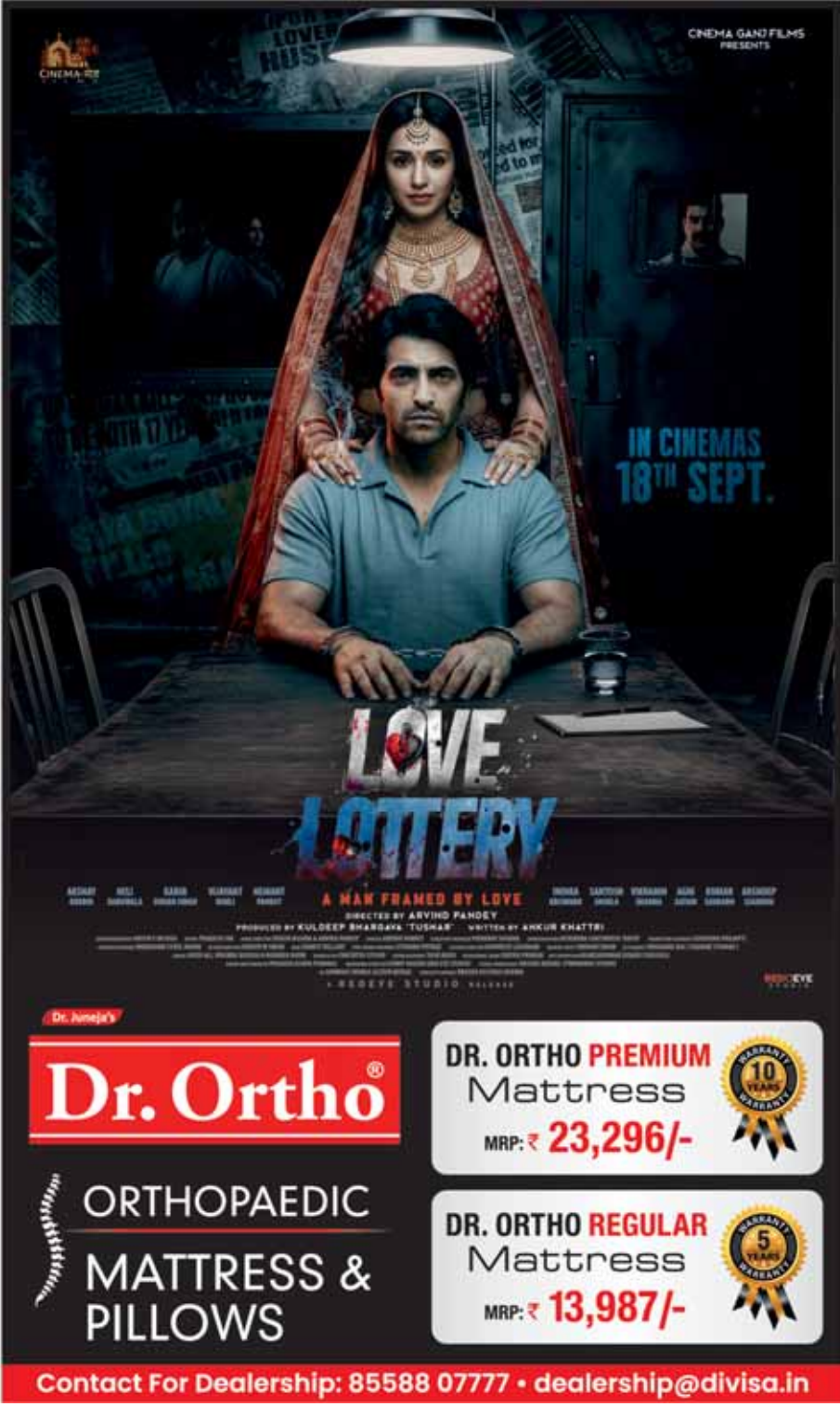


एमपी ट्रांसको के नवाचार का लाभ पूरे पावर सेक्टर को मिले

जबलपुर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने 220 केवी सब स्टेशन नयागांव से निकलने वाली 132 केवी नयागांव-व्हीकल फैक्ट्री-विनोबा भावे लाइन पर टावरों की अर्थिंग सुधार कार्यों का निरीक्षण किया। जबलपुर विकास प्राधिकरण की स्कीम नंबर 65 के समीप किए जा रहे कार्यों के दौरान उन्होंने कंपनी के अभियंताओं द्वारा किए गए नवाचार एवं रिसर्च आधारित प्रयासों की जानकारी ली। सुनील तिवारी ने कहा कि तकनीकी नवाचार की सफलता तभी सार्थक होगी, जब उसका लाभ मध्य प्रदेश के साथ देश के अन्य पावर सेक्टर संगठनों को भी मिले। उन्होंने टावर फुटिंग रजिस्ट्रेंस (टीएफआर) को निर्धारित मानकों के अनुरूप लाने

के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मजबूत अर्थिंग से ट्रांसमिशन लाइनों की विश्वसनीयता बढ़ेगी और कमजोर अर्थिंग के कारण होने वाली ट्रिपिंग की घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने भविष्य में बढ़ते शहरी विस्तार को ध्यान में रखते हुए ट्रांसमिशन टावरों के निर्माण पर भी जोर दिया। आवश्यकतानुसार टावरों की ऊंचाई का निर्धारण दीर्घकालिक जरूरतों के अनुरूप करने के निर्देश दिए, ताकि आबादी बढ़ने पर सुरक्षा और क्लॉयर्स संबंधी समस्याएं न हों। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता डी.के. अग्रवाल, सतीश दुबे, अधीक्षण अभियंता आर.एस. पांडे, कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस. चौहान, हर्ष श्रीवास्तव, जितेंद्र तिवारी एवं सहायक अभियंता राजेश तिवारी उपस्थित रहे।

विधिवत गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में गांजा के अवैध विक्रय, लेन-देन एवं सप्लाई से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। कार्रवाई में आरोपी का लगभग 15 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। कार्रवाई थाना प्रभारी उप निरीक्षक संजीवनी



आज से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

1.11 लाख दीपों से जगमगाएगा गौरीघाट, रक्तदान से होगा सेवा संकल्प अभियान का आगाज

जबलपुर। मां नर्मदा के तट गौरीघाट पर गुरुवार शाम 1 लाख 11 हजार 111 दीपों की रोशनी के साथ जिले में ‘सेवा संकल्प अभियान-2026’ का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनकी 25 वर्षों की सेवा यात्रा के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में जनसेवा, जनभागीदारी, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान के पहले दिन शहर सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर भी लगाए जाएंगे।

50 सेक्टरों में सजेगा गौरीघाट

‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के लिए गौरीघाट को 50 सेक्टरों में बांटा गया है। प्रत्येक सेक्टर में करीब दो हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दस विभागों को पांच-पांच सेक्टरों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा ऐतिहासिक एवं सार्वजनिक स्थलों, प्रधानमंत्री आवास कॉलोनिर्यों, अमृत सरोवरों, जनऔषधि केंद्रों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, नर्मदा तटों और आध्यात्मिक केंद्रों पर दीपदान किया जाएगा।

कन्वेंशन सेंटर से रक्तदान अभियान की शुरुआत

सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर घंटाघर के समीप स्थित कन्वेंशन सेंटर में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही जिले की ग्राम पंचायतों, नगरीय क्षेत्रों और वार्ड स्तर पर भी रक्तदान के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा। अभियान के माध्यम से रक्तदान को जनसेवा और सामाजिक सहभागिता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

योजनाओं का लाभ दिलाने लगेंगे शिविर

अभियान का महत्वपूर्ण चरण 2 से 10 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान जिले के विभिन्न विकासखंडों और नगर निगम के अलग-अलग जोन में ‘सेवा सेतु-सरकार आपके द्वार’ शिविर लगाए जाएंगे। इनमें केंद्र और राज्य सरकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी देने के साथ यात्रा लोगों के आवेदन भरवाने, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने और योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता की जाएगी। समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास भी होगा।



नुक्कड़ नाटक और आंगनवाड़ी केंद्रों पर गतिविधियां

19 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ‘नमो सेवा’ कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। वहीं 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें महिलाओं, बच्चों और परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

विद्यार्थियों को मिलेगा अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका

स्कूली और कॉलेज विद्यार्थियों के लिए ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जबकि अन्य प्रतिभागियों को कलेक्टर द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

25 प्रमुख सेवा गतिविधियों से जुड़ेंगे नागरिक

अभियान के दौरान नागरिकों को 25 प्रमुख सेवा गतिविधियों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जांच, योग एवं ध्यान, प्लास्टिक-मुक्त जागरूकता, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, शिक्षा सहयोग, करियर काउंसलिंग, डिजिटल साक्षरता, अंगदान संकल्प, नशामुक्ति जागरूकता, पोषण एवं एनीमिया जागरूकता, सड़क सुरक्षा, जल संरक्षण, साइबर सुरक्षा, दिव्यांगजन सहयोग, मतदाता जागरूकता, ‘वोकल फॉर लोकल’ और शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूकता सहित अन्य गतिविधियां शामिल हैं।

‘25 साल, 25 कहानियां’ समेत होंगे कई कार्यक्रम

अभियान में ‘25 साल, 25 कहानियां’, ‘सेवा चित्र’, ‘सेवा स्मरण’, ‘कहानी बदलाव की’, ‘सेवा ज्योति यात्रा’, ‘सेवा मेरा योगदान’, ‘सेवा के रंग’ तथा ‘हैकथॉन और इनोवेशन चैलेंज’ जैसी गतिविधियां भी होंगी। चयनित पंचों और सरपंचों को दिल्ली की अध्ययन यात्रा पर भेजा जाएगा। वहीं दूसरे राज्यों से आने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स जबलपुर के विकास कार्यों, ऐतिहासिक स्थलों और प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे।

कलेक्टर के नेतृत्व में होगी नियमित मॉनीटरिंग

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में अभियान की गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, नगर निगम क्षेत्र के लिए नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिस्वार तथा अन्य नगरीय निकायों के लिए संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभियान की गतिविधियों की नियमित समीक्षा और मॉनीटरिंग की जाएगी। नागरिक अपनी सेवा गतिविधियों के फोटो, वीडियो और रील **modiat25** in पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे।

कलेक्टर को 4 माह में निर्णय लेने के निर्देश

अवैध खनन वसूली मामले में हाई कोर्ट का बड़ा फैसला एमएस आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन की याचिका खारिज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सिहोरा तहसील के टिकरिया और प्रतापपुर स्थित लौह अयस्क खदानों में कथित अत्यधिक उत्खनन (2004-2017) से जुड़े कारण बताओ नोटिस और जांच रिपोर्ट को चुनौती देने वाली मैसर्स आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन की रिट याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बी. पी. शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि केवल कारण बताओ नोटिस के स्तर पर हाई कोर्ट का हस्तक्षेप अनुचित है और मामले का अंतिम फैसला कलेक्टर जबलपुर द्वारा ही किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा



गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कथित अवैध उत्खनन के एवज में टिकरिया खदान (20.002 हेक्टेयर) से □1,13,81,94,280/- और प्रतापपुर खदान (11.578 हेक्टेयर) से □1,20,69,41,910/-

(कुल □234 करोड़ से अधिक) की वसूली प्रस्तावित की थी। इसके आधार पर कलेक्टर जबलपुर ने खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(5) के तहत याचिकाकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे।

याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि जांच समिति की संरचना वैधानिक प्रावधानों के बिना की गई थी और बिना मूल साक्ष्य प्रदान किए अत्यधिक वसूली का नोटिस जारी करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। राज्य सरकार की ओर से तर्क

दिया गया कि याचिका अपरिपक्व है क्योंकि कलेक्टर स्तर पर अंतिम आदेश पारित नहीं हुआ है। कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता को जवाब पेश करने के लिए 8 से 9 अक्टूबर दिए गए थे, लेकिन उसने अपना अंतिम पक्ष नहीं रखा।

हाईकोर्ट ने माना कि जांच समिति की रिपोर्ट कलेक्टर के लिए अंतिम या बाध्यकारी आदेश नहीं है। बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कलेक्टर, जबलपुर को निर्देश दिया कि वे याचिकाकर्ता को सुनवाई का पर्याप्त अवसर देकर 4 महीने के भीतर मामले का स्वतंत्र और निष्पक्ष निपटारा करें।

मंथनश्री परिवार का राष्ट्रीय अलंकरण, वार्षिक महोत्सव एवं कृति विमोचन 20 सितंबर रविवार को

जबलपुर। मंथनश्री परिवार द्वारा दिनांक 20 सितंबर दिन रविवार को सां 4:00 बजे कला वीथिका रानी दुर्गावती संग्रहालय मंदरताल गार्डन में संस्था का वार्षिक महोत्सव, राष्ट्रीय अलंकरण, कृति विमोचन कार्यक्रम आयोजित है जिसमें मुख्य अतिथि डॉक्टर कपिल देव मिश्र अधिष्ठाता महारत्ना गांधी ग्राम उद्योग विश्वविद्यालय चित्रकूट, अष्टाक्षता आचार्य भागवत दुबे, आशीर्वाचन जगद्गुरु स्वामी बालगोविंददास महाराज, विशिष्ट अतिथि महामहोपाध्याय डॉ. हरिश्चंकर दुबे होंगे, विशिष्ट अतिथि आशेष शुक्ला एवं उज्ज्वल शुक्ला, प्रतुल श्रीवास्तव वरिष्ठ पत्रकार होंगे, मंगल भाव विजय नेमा प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों की विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान स्थापित करने वाली अनेक विमूर्तियों को सम्मानित किया जावेगा। साथ ही मंथन श्री द्वारा प्रकाशित राष्ट्रीय पितृ नमन राझा काव्य संग्रह एवं अमरेंद्र नारायण की तीन कृतियों जिनमें, सम्मान पथ, उत्साह तुम्हारा अभिनंदन, देश रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद का लोकार्पण होगा। संस्था के राजेंद्र मिश्रा, अमरेंद्र नारायण, डॉ. सेलमा जमाल, संतोष नेमा संतोष, राजेश पाठक प्रवीण, विजय नेमा अनुज, आशुतोष तिवारी, कविता राय, प्रीति नामदेव आदि ने सभी साहित्य प्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को दिए निर्देश ऐतिहासिक किला घाट के मामले में एएसआई को बनाओ पक्षकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मंडला स्थित ऐतिहासिक किला घाट और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण व अतिक्रमण से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को भारतीय पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग (एएसआई)संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली को आवश्यक पक्षकार बनाने के निर्देश दिए हैं। चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोजगे एवं जस्टिस विवेक रूसिया की डिवीजन बेंच ने मामले की अगली सुनवाई सात दिनों के बाद निर्धारित की है।

गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के किशोरी लाल भलावी, अजय



झारिया एवं उत्तम सिंह तराम द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया गया। याचिका में मुख्य रूप से मंडला स्थित नर्मदा और बंजर नदी के संगम पर बने ऐतिहासिक किला घाट के अस्तित्व और संरक्षण पर जोर दिया

गया है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, वर्ष 1493 में गोंड राजा नरेंद्र शाह बुर्ज द्वारा लगभग 100 एकड़ में निर्मित किला घाट एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर है, जिसे अंग्रेजों द्वारा वर्ष 1922 में गजट प्रकाशन के जरिए राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया गया था। वर्तमान में अवैध कब्जाधारियों ने इस ऐतिहासिक धरोहर को क्षति पहुंचाई है और नर्मदा नदी को दूषित कर रहे हैं। याचिका में अवैध अतिक्रमण हटाने, धरोहर को संरक्षित करने और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की गई है।

गढ़ा में पूजन दिवस पर दो दिवसीय आयोजन

जबलपुर। श्री विश्वकर्मा समाज संगठन मप्र द्वारा भगवान श्री विश्वकर्मा के पूजन दिवस पर गढ़ा में दो दिवसीय आयोजन किया जाएगा। जिसमें 16 सितम्बर को भगवान श्री विश्वकर्मा की मूर्ति की स्थापना सहित अन्य धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा 17 सितम्बर को भव्य विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा आज दोपहर 3 बजे से कछपुरा बिज स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ होगी। जिसमें उपस्थिति की अपील श्री विश्वकर्मा समाज संगठन मप्र के प्रदेश अध्यक्ष हरि शंकर विश्वकर्मा, दशरथ विश्वकर्मा, शिव कुमार विश्वकर्मा, सूरज विश्वकर्मा, गोविन्द विश्वकर्मा, आनंद विश्वकर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा आदि ने की है।

विश्वकर्मा समाज द्वारा निकाली जाएगी भव्य शोभायात्रा

जबलपुर। श्री विश्वकर्मा भगवान के पूजन दिवस पर आज 17 सितम्बर को उत्सवी माहौल रहेगा। पूजन दिवस के अवसर पर श्री विश्वकर्मा महासंगठन मप्र व विश्वकर्मा समाज का प्रमुख आयोजन मानस भवन में दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा। यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। जिसके उपरांत शाम 4 बजे से मानस भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए भगवान श्री विश्वकर्मा का संदेश देते हुए पुनः मानस भवन पहुंचेगी। जहां पर प्रसाद वितरण के उपरांत कार्यक्रम का समापन होगा। आज के मुख्य आयोजन में उपस्थिति की अपील श्री विश्वकर्मा महासंगठन मप्र के अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा, ओपी विश्वकर्मा, अरविन्द्र विश्वकर्मा, अजय गोविन्द विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, रविन्द्र विश्वकर्मा, शरद विश्वकर्मा, रामबाबू विश्वकर्मा, संगीता दीपक विश्वकर्मा, प्रभा विश्वकर्मा, निरंजन विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, किशन विश्वकर्मा, रामराज विश्वकर्मा, हरि मासाव आदि ने की है।



भगवान श्री विश्वकर्मा के पूजन दिवस की धूम

जबलपुर। 17 सितंबर को देशभर में भगवान विश्वकर्मा का पूजन दिवस श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर कारीगरों, शिल्पकारों, इंजीनियरों, निर्माण एवं औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों द्वारा भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जाएगी। विभिन्न प्रतिष्ठानों और कार्यस्थलों पर औजारों एवं मशीनों की पूजन कर सुख-समृद्धि और कार्य में उन्नति की कामना की जाएगी।



जबलपुर। गोहलपुर पुलिसा मोती नाला की सफाई पिछले 15 सालों से नहीं हुई थी लगातार प्रयास करने के बाद नाला सफाई का मामला नगर निगम आयुक्त के संज्ञान में लाया गया, आयुक्त के हस्तक्षेप से स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज नाला सफाई 75% बारिश होने के बाद की जा रही है, क्षेत्रीय जनता असलम घी वाले, हाजी सलीम खान, जकी नमक वाले, महबूब वेल्डर, राजकुमार गुप्ता, संतोष साहू, प्यारेलाल ने राहत महसूस करते हुए खुशी के साथ नगर निगम आयुक्त एवं डॉक्टर जाकिर हुसैन वार्ड के पार्श्व मुकीमा याकूब अंसारी को धन्यवाद दिया है।

अमृत योजना 2.0 के तहत पांच स्थानों पर बनेंगी ओवरहेड टंकियां, 10 साल में स्मार्ट मॉडल टाउनशिप बनाने का विजन प्लान जारी

जबलपुर। छावनी क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में छावनी परिषद ने बड़ा कदम उठाया है। अमृत योजना 2.0 के तहत सोमवार को जलप्रदाय परियोजना का भूमिपूजन किया गया। 43.77 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के तहत कैट क्षेत्र के 16,877 घरों को नल कनेक्शन से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 57 किलोमीटर लंबा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और करीब 11 किलोमीटर क्लीयर वाटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

परियोजना का क्रियान्वयन पीसी स्नेहल कंस्ट्रक्शन प्रा. लि., अहमदाबाद द्वारा किया जा रहा है। योजना के तहत टैगोर गार्डन में 15 लाख लीटर, कटंगा स्कूल में 17 लाख लीटर, गोराबाजार में 15 लाख लीटर, करौंदी में 13 लाख लीटर और ईदगाह मैदान में 11 लाख लीटर क्षमता वाली ओवरहेड टंकियों का निर्माण किया जाएगा। इन जलागारों के माध्यम से छावनी क्षेत्र के प्रत्येक घर तक शुद्ध नर्मदा जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

10 साल का विजन प्लान जारी

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान छावनी परिषद ने अपना 10 वर्षीय विजन प्लान (2026-36) भी जारी किया। इसका उद्देश्य कैंटोनमेंट क्षेत्र को आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित और



हिंदी प्रश्न मंच में 50 प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत परिवार हिंदी समिति के तत्वावधान में शक्तिभवन स्थित केंद्रीय ग्रंथालय में हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में महाकौशल महाविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण शुक्ल ने कहा कि विश्व में अनेक भाषाओं के अस्तित्व पर संकट के बीच हिंदी अपनी विश्वसनीयता, सुदृढ़ता और अडिगता के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी के प्रति करोड़ों लोगों का अपनत्व इसकी मजबूती का आधार है। डॉ. शुक्ल को समिति की ओर से शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन तथा हिंदी समिति के अध्यक्ष फ़िरोज कुमार मेश्राम ने की। उन्होंने कहा कि भावनाओं को व्यक्त करने और कठिन विषयों को सरलता से समझाने में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है।हिंदी महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित प्रश्न मंच में विद्युत कंपनियों के 50 कार्मिकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को 30 मिनट में हिंदी एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देने थे।इस अवसर पर अनुराग नाक, नितिन खत्री, दीपक निगम सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विवेचना थिएटर ग्रुप के बाल कलाकारों ने आदित्य कसिया के निर्देशन में हरिशंकर परसाई की रचना पर आधारित ‘सदाचार का ताबीज’ नाटक प्रस्तुत किया। पुस्तक प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। 17 सितंबर को तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण होगा।



मदन महल दरगाह में 11वीं शरीफ का पहला मेला आज

जबलपुर। मदन महल पहाड़ी पर स्थित हजरत पीराने पीर की दरगाह में गुरुवार को ग्यारहवीं शरीफ के पहले मेले का एहतेमाम किया गया है। इस मौके पर सुबह बाद नमाज-ए-फ़जर कुरआन ख्वानी और नात-ख्वानी होगी। दोपहर बाद नमाज-ए-असर चादरपोशी की रश्म अदा की जाएगी। शाम को नमाज-ए-मगरिब के बाद सलातो-सलाम पेश किया जाएगा। मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी, सज्जादानशीन मुबारक कादरी, निजाम कादरी, खलीफा इनायत कादरी, जवाहर कादरी ने प्रशासन से दरगाह परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने की गुजारिश की है।

‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम की तैयारियों का निगमायुक्त ने लिया जायजा

जबलपुर। ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ के तहत आयोजित होने वाले भव्य ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिर्वाह ने अधिकारियों के साथ झंडा चौक से शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज और मां नर्मदा तटों तक पैदल निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने पूरे मार्ग की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मार्ग की स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से पहले झंडा चौक से घाटों तक विशेष सफाई अभियान चलाया जाए तथा पूरे मार्ग और नर्मदा तटों पर पर्याप्त एवं आकर्षक रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निगमायुक्त ने कहा कि मां नर्मदा के तट अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण हैं। ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ के अंतर्गत आयोजित यह आयोजन शहर की आस्था और गौरव से जुड़ा है। उन्होंने आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाएं भी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए तय समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने को कहा, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित सुविधाएं मिल सकें।

कैंट के 16,877 घरों तक पहुंचेगा नर्मदा जल 43.77 करोड़ से बिछेगा 57 किमी नेटवर्क



स्मार्ट मॉडल टाउनशिप के रूप में विकसित करना है। योजना में डिजिटल गवर्नेंस, बुनियादी ढांचे के उन्नयन, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है।

ये होंगे प्रमुख कार्य

भूमि प्रबंधन: ड्रोन इमेजरी, जीआईएस मैपिंग और डिजिटल लैंड रिकॉर्ड के माध्यम से रक्षा भूमि का प्रबंधन और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई।स्मार्ट सिविक इंफ्रास्ट्रक्चर: पेयजल नेटवर्क, सीवेज लाइन, एसटीपी, ड्रेनेज, सड़कों, पार्कों और स्ट्रीट लाइटिंग का आधुनिकीकरण।शिक्षा और

स्वास्थ्य: कैंटोनमेंट स्कूलों, डिस्पेंसरी और अस्पतालों का उन्नयन। विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए केंद्र स्थापित करना।डिजिटल गवर्नेंस: ऑनलाइन राजस्व संग्रह, ई-प्रोक्योरमेंट, ई-समाधान और डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करना।हरित विकास: ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, हरित आवरण बढ़ाने, सौर ऊर्जा और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना।सैन्य-नागरिक सहयोग: सैन्य आबादी और स्थानीय निवासियों के बीच बेहतर तालमेल, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना।मुख्य अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार ने कहा कि विजन प्लान केवल विकास का रोडमैप नहीं, बल्कि बेहतर जीवन स्तर, पारदर्शी प्रशासन और स्मार्ट समाधान का संकल्प है। अगले दस वर्षों में कैंटोनमेंट को देश की मॉडल टाउनशिप में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।छावनी परिषद ने नागरिकों से विजन प्लान के संबंध में सुझाव भी आमंत्रित किए हैं। विस्तृत दस्तावेज परिषद की वेबसाइट jabalpur.cantt.gov.in और कार्यालय में उपलब्ध रहेगा।इस अवसर पर सांसद आशोष दुबे, कैट विधायक अशोक रोहाण, छावनी परिषद अध्यक्ष ब्रिगेडियर दिनेश कुमार झांगू, मुख्य अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार सहित छावनी क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिद्ध गणेश मंदिर में लाई और बताशा से पूजन, अर्चन एवं सहस्रार्चन

जबलपुर। जबलपुर स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्ध गणेश मंदिर (अर्जी वाले गणेश जी) में भगवान गणेश के जन्मोत्सव का 12 दिवसीय भव्य आयोजन चल रहा है। इस दौरान मंदिर में प्रतिदिन विशेष धार्मिक अनुष्ठान और सहस्रार्चन किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना में प्रतिदिन भगवान गणेश के द्वादश स्वरूपों (12 रूपों) में से एक स्वरूप का पूजन, अर्चन एवं सहस्रार्चन किया जाता है।

वहीं भगवान गणेश के 1,000 नामों के साथ भगवान गणेश को 1,000 वस्तुएं अर्पित की जाती हैं। सहस्रार्चन के दौरान अर्पित की गई वस्तुओं (जैसे लाजा और बताशा) को दोपहर 12 बजे महाआरती के



बाद भक्तों में प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है। अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर

पहुंचकर अपनी अर्जी (प्रार्थना) लगा रहे हैं। मान्यता के अनुसार, इस शुभ और स्वयं सिद्ध समय में की गई प्रार्थना को भगवान गणेश

अवश्य पूर्ण करते हैं। आज इस अवसर पर तिलवारा घाट से भोलेनाथ के मंदिर से हर वर्ष सावन में भगवान अमरनाथ यात्रा सैकड़ों भक्तों को दर्शन के लिए ले जाने वाले भोले भक्त राजकुमार सिंगरहा द्वारा भगवान श्री सिद्ध गणेश मंदिर में इस भव्य आयोजन मे सपरिवार शामिल होकर पुण्य लाभ कमाया, वहीं भगवान की आरती होने के बाद सभी भक्तों को लाई, बताशा और लड्डुओ का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर मंदिर के भक्त राजकुमार सिंगरहा, कैलाश जीर्णो, विजयानंद मिश्रा, ललित कुमार, जितेंद्र कुमार, हेमंत कुमार, भूमिका, कृतिका आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।



(WCR) ने दक्षिण तटीय रेलवे (SCoR) को 6-0 से पराजित किया।इस अवसर पर पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ के अध्यक्ष मनोज गुरुमुखी, महासचिव ज्ञान प्रकाश शिव नारायण, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक गुन्नार सिंह सहित

रेलवे अधिकारी और खेलप्रेमी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों में भी विभिन्न रेलवे टीमों के खिलाड़ी खेल कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन करेंगे। चैंपियनशिप के आयोजन से रेलवे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा प्रदर्शन का मंच मिल रहा है।



सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

जबलपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा नवी मुंबई में 14-15 सितंबर को आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप राजभाषा शिल्ड महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं सुनेत्रा पवार की उपस्थिति

में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से बैंक के मुंबई एवं सौई ऑफिस कल्याण कुमार ने प्राप्त की। यह सम्मान बैंक द्वारा राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन, हिंदी के प्रचार-प्रसार और राजभाषा नीति के प्रति निरंतर किए जा रहे प्रयासों का प्रतिफल है। इस अवसर पर बैंक की द्विभाषीय गृह पत्रिका ‘सेंट्रलाइट’ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर प्रकाशित विशेष ‘विरासत अंक’ का विमोचन राजभाषा विभाग के राज्यमंत्री नित्यानंद राय, बंदी संजय कुमार एवं राजभाषा सचिव अंशुली आर्य ने किया। सम्मेलन में बैंक ने अपनी 115 वर्षों की यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई, जिसमें विरासत, नवाचार, राजभाषा उपलब्धियों और विकास यात्रा को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में कार्यालाल नित्यानंद दोहरे, मुख्य महाप्रबंधक कुशल पाल, सहायक महाप्रबंधक हितेंद्र धूमाल सहित बैंक के राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे।

सिहोरा अधिवक्ता संघ ने सीएम के नाम सौपा झापन

सिहोरा। तहसील अधिवक्ता संघ सिहोरा अध्यक्ष रविदीप सिंह बैस की अनुवाई में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौपकर उत्तर प्रदेश की तर्ज पर अधिवक्ता कल्याण सुविधाएं लागू करने की मांग की गई है। ज्ञापन में संघ ने 5 लाख तक कैशलेस स्वास्थ्य बीमा,व्यायालय परिसरों में पर्याप्त व बहुस्तरीय पार्किंग, नए चैबर तथा अधिवक्ताओं और विधि अधिकारियों को टैबलेट व डिजिटल संसाधन उपलब्ध करने की मांग रखी। संघ ने बताया कि उत्तर प्रदेश में सक्रिय अधिवक्ताओं के लिए 5 लाख तक कैशलेस मेडिकल इश्योर्स, चैबरों में फर्नीचर व उपकरण के लिए सहयोग, 400 राज्य विधि अधिकारियों को टैबलेट और अधिवक्ता कल्याण निधि की सहजता 150 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की गई है। उपगाराज में 10 हजार से अधिक अधिवक्ताओं के लिए चैबर व मल्टीप्लेज पार्किंग भी विकसित की गई है। आगे कहा गया कि अधिवक्ता व्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए स्वास्थ्य,कार्यस्थल और तकनीकी सुविधाएं मजबूत होना जरूरी है। इस अवसर पर सचिव आनंदमणि त्रिपाठी,उपाध्यक्ष सुरेश कुमार मिश्रा,सह-सचिव आशीष व्योहार, आलोक व्योहार,सुनील पटेल,आनंद कुमार पटेल, अमर्य नारायण मिश्रा,साकेत पिंडिया,नानेश उपाध्याय,रमेश पटेल,मनोज दुबे,अंकुर जैन, कन्हैया,अनेक तिवारी और काव्हा पांडे सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।



श्री रजत गणेश मंदिर, ललपुर रोड में संपन्न हुआ भव्य सहस्रार्चन पूजन एवं विशाल भंडारा

जबलपुर। गौरीघाट ललपुर रोड, गौरीघाट स्थित श्री रजत गणेश मंदिर में आज भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश जी का सहस्रार्चन पूजन संपन्न हुआ। यह अनुष्ठान श्रीमती अंजू द्वारा कराया गया, जिसमें राम किशोर विशाल का विशेष एवं सराहनीय सहयोग रहा। सहस्रार्चन के पश्चात मंदिर के महंत प्रमोद तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा, “भगवान श्री



गणेश का विशाल मस्तिष्क हमें यह प्रेरणा देता है कि जीवन में यदि कोई नुकसान या प्रतिकूल परिस्थिति भी आ जाए, तो हमें अपना दिल और

मस्तिष्क बड़ा रखना चाहिए। गणेश जी का स्वरूप हमें सदैव सकारात्मक और विशाल सोच रखने की सीख देता है। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से पूर्व पार्षद अश्विनी पटेल, गोवर्ध मिश्रा, सुशील द्विवेदी, विष्णु शुक्ला और सरिता गुप्ता इत्यादि शामिल थे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रवि राय ने किया। अनुष्ठान के उपरांत प्रसाद स्वरूप विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम अत्यंत भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं की सात दिवसीय प्रदर्शनी 12 से

जबलपुर। रानी दुर्गावती के विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान द्वारा विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मिट्टी एवं चाक पाउडर से निर्मित ‘इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं’ की सात दिवसीय प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी 12 से 18 सितंबर तक विश्वविद्यालय के विज्ञान भवन स्थित कौशल विकास संस्थान में लगेगी। इससे पहले विज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने मिट्टी से पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, हस्तकौशल और पर्यावरण



संरक्षण की भावना विकसित होने के साथ उन्हें स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता एवं स्वावलंबन की दिशा में प्रेरणा मिलती है। कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के कला-कौशल को निखारने में सहायक हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित गणेश प्रतिमाओं के साथ सजावटी सामग्री भी प्रदर्शित की जाएगी।

कार्यालय, सम्मानीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एन/173 दिनांक :- 16/09/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीना मानेक पति श्री मुकेश मानेक ने भव्दान नं. 1185/IB-3 वाई सुभद्रा कुमारी चौहान तृतीय तल 575 व.फ़ु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भव्दान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रं. 13 मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्मानीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./संभा.अधि./11/न/2026-27 दिनांक 16/09/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्रीमति आरिंदर कौर चौध पति श्री सुखवीर सिंह (2)श्रीमति सुप्रीत कौर चौध पति श्री कवलजीत सिंह चौध ने वाई क्रमांक 67 वाई का नाम रानी अवती वाई का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपति प्रस्तुत करें।

संमानीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्मानीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एन/173 दिनांक :- 16/09/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मीना मानेक पति श्री मुकेश मानेक ने भव्दान नं. 1185/IB-3 वाई सुभद्रा कुमारी चौहान तृतीय तल 575 व.फ़ु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भव्दान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपति प्रस्तुत करें।

संमानीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

जाहिर सूचना यह की मेरे पक्षकार Tyger Capital Private Limited से Mr. Prabhat Kumar S/o Mr. Prakash Soni & Mrs. Sonam Soni Wo Mr. Prabhat Soni की सम्पत्ति को बंधक रख कर ऋण दिया जा रहा है।

बंधक की जा रही सम्पत्ति मौजा Property Id 1004184919 House/Plot No. 78 Total Area 1348 Sqft. Or 125.23 Sqmt. Situated At Mouja - Vinobha Bhawe Ward No.11 Nagar Parasad Barela Tehsil Jabalpur Dist- Jabalpur M.P. है। सम्पत्ति की चतुर्धारीणा इस प्रकार है-East: Road, West: Nali Thien Khali Plot, North: House of Umki Sharma, South: Road उक्त सम्पत्ति पुर्ने Mr. Prabhat Kumar के नाम से नगर परिषद बरेला के अभिलेखों में दर्ज है। उक्त सम्पत्ति पर उन्हीने अपनी पत्नी Mrs. Sonam Soni को ई-रजिस्टर्ड सह -स्वायत्त विलेख क्र. MP 50IGR17572026A101048146 के माध्यम से अपनी पत्नी को सह-स्वामी बनाया है। यदि किसी व्यक्ति, शासकीय संस्था, अर्ध शासकीय संस्था, बैंक अथवा धनार्नेस कंपनी को किसी प्रकार की कोई दावा, आपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस में मय लेखी प्रमाण के मेरे कार्यालय में प्रस्तुत कर अन्यथा अवधि उपरांत उक्त सम्पत्ति बंधक रख कर मेरे पक्षकार के द्वारा उस पर ऋण प्रदान कर दिया जावेगा और बाद मियाद कोई दावा आपत्ति मेरे पक्षकार के हितो पर बंधनकारी नहीं रहेगी। दिनांक:-16/09/2026

VISHAL KANERE ADVOCATE Legal Park No. 76, Sai Aarya Township, Near By Collector Office, Harda (M.P.) Mob. 9109344471, 8349795559

अगस्त में वनस्पति तेल का आयात 4.71 प्रतिशत घटा



नई दिल्ली। उद्योग निकाय ‘सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया’ (एसईए) ने कहा कि अगस्त में भारत का वनस्पति तेल आयात 4.71 प्रतिशत घटकर 16.09 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले 16.94 लाख टन था। इसकी वजह पाम तेल के आयात में कमी थी, जो वैश्विक कीमती में बढ़ोतरी और रुपये की कमजोरी के कारण हुआ।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) ने बुधवार को कहा कि सरकार के यूपीआई लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत का मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने के फैसले से त्योहारों से पहले छोटे खुदरा कारोबारियों के बीच डिजिटल भुगतान को अपनाने में हुई प्रगति पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। सरकार ने करीब छह साल तक यूपीआई भुगतान को पूरी तरह नि:शुल्क रखने के बाद इस साल 15 अक्टूबर से इस मंच के जरिये कारोबारियों या दुकानदारों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। इस शुल्क का भुगतान व्यापारी को करना होगा और ग्राहकों पर इसका बोझ नहीं पड़ेगा।

उपभोक्ता रहेंगे बाहर पर खर्च कारोबारियों को उठाना होगा

हालांकि, रोजमर्रा के व्यक्ति-से-व्यक्ति लेनदेन और छोटे भुगतान को किसी भी शुल्क से स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया है। आरएआई ने कहा कि 75,000 रुपये और उससे अधिक के लेनदेन के लिए एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये रखी गई है। इससे उपभोक्ता इसके दायरे से बाहर रहेंगे, लेकिन इसका खर्च कारोबारियों को उठाना होगा, जिनमें से कई कम मार्जिन पर कारोबार करते हैं।

उद्योग जगत ने जताई आशंका, शुल्क का भुगतान व्यापारी को करना होगा

वर्षों से हुई प्रगति को पीछे धकेल सकती है

आरएआई ने अपने बयान में आगाह किया कि यह शुल्क मारत के सबसे छोटे खुदरा कारोबारियों के बीच डिजिटल भुगतान को अपनाने में वर्षों में हुई प्रगति को पीछे धकेल सकता है, वह भी ठीक ऐसे समय जब त्योहार आने वाले हैं। आरएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कुमार राजगोपाल ने कहा, ‘छोटे व्यापारी अब यह सोचेंगे कि नकदी स्वीकार करें या यूपीआई।’



नकदी की ओर हो सकती है वापसी

आरएआई ने कहा कि नकदी की ओर वापसी से सरकार के औपचारिकरण के प्रयासों को भी नुकसान होगा, क्योंकि यूपीआई नेटवर्क से बाहर होने वाले लेनदेन अब माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में दर्ज नहीं होंगे। यह उस दिशा के विपरीत है जिसे एक दशक की डिजिटलीकरण नीति के जरिये बनाने की कोशिश की गई है। क्लौडिंग मैक्यूफेक्टरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमएआई) ने भी इस कदम के समय को लेकर इसी तरह की चिंता जताई। सीएमएआई के अध्यक्ष संतोष कटारिया ने कहा, त्योहारों की शुरुआत में यूपीआई पर एमडीआर लागू करना उद्योग के लिए इससे मुश्किल समय नहीं हो सकता था।

ज्यादातर भुगतान

बचत या चालू खाते से खुदरा क्षेत्र का यह संगठन बड़े प्रारूप वाले और विशेष खुदरा कारोबार से लेकर ई-कॉमर्स एवं त्वरित वाणिज्य तक के कारोबारियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। संगठन ने सभी यूपीआई लेनदेन को एक समान मानने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि ऐसे ज्यादातर भुगतान सीधे बचत या चालू खाते से होते हैं और डिजिटल डेबिट लेनदेन की तरह काम करते हैं। इनमें क्रेडिट नेटवर्क पर शुल्क लगाए जाने की उचित ठहराने वाली इंटरचेंज लागत या ऋण जोड़िका नहीं होता।

डीजीएफटी ने विदेश व्यापार नीति, 2023 में किया संशोधन

तीन लाख रुपए तक की निर्यात खेप के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जरूरी नहीं

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सरकार ने तीन लाख रुपये तक मूल्य वाले निर्यात पर पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी) की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इस कदम का उद्देश्य नए और छोटे निर्यातकों पर अनुपालन का बोझ कम करना है। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस फैसले से डाक, कूरियर और अन्य उभरते माध्यमों से भी निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र निर्यात संवर्धन परिषद या संबंधित जिस बोर्ड जारी करता है। यह प्रमाणपत्र आमतौर पर यह साबित करता है कि निर्यातक संबंधित निर्यात संगठन के साथ पंजीकृत है। अबतक नए या कभी-कभार कम मूल्य का सामान निर्यात करने वालों को पहले संबंधित पंजीकरण संस्था की पहचान करनी पड़ती थी, जरूरी दस्तावेज जमा करने होते थे और निर्यात शुरू करने से पहले पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होती थी।

पहले अतिरिक्त अनुपालन का बोझ पड़ता था

इससे उन पर अतिरिक्त अनुपालन का बोझ पड़ता था। मंत्रालय ने कहा, “डीजीएफटी ने विदेश व्यापार नीति, 2023 में संशोधन किया है। इसके तहत अब तीन लाख रुपये तक एफओबी (जहाज पर लदान कीमत) मूल्य वाली निर्यात खेप के लिए आरसीएमसी या पंजीकरण प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी, जबकि पहले यह अनिवार्य था।” हालांकि, तीन लाख रुपये से अधिक मूल्य वाले निर्यात माल के लिए वैध आरसीएमसी की जरूरत बनी रहेगी।



छूट से निर्यात लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा

वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26 के आंकड़ों से पता चलता है कि तीन लाख रुपये तक के निर्यात माल की खेपों की संख्या कुल निर्यात दस्तावेजों में 43 प्रतिशत है, लेकिन कुल वस्तु निर्यात मूल्य में इनकी हिस्सेदारी केवल 0.86 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा कि इस छूट से बड़ी संख्या में छोटे मूल्य के निर्यात लेनदेन को लाभ मिलेगा, जबकि कुल निर्यात मूल्य पर इसका असर मामूली रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में

प्रवेश आसान होगा इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों (एमएसएमई), कारीगरों, छोटे कारोबारियों और पहली बार निर्यात करने वालों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश आसान होगा।

यात्रा से पहले टिप देने का विकल्प बंद करने का निर्देश

सरकार ने यात्रा बुक करने से पहले ही टिप देने के विकल्प को आमक और अगुचित व्यापार व्यवहार करार देते हुए केब एग्रीगेटर कंपनियों को ऐसी व्यवस्था बंद करने के निर्देश दिए हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अगुचित व्यापार गतिविधियों के लिए केब एवं बाइक टैक्सी सेवा मंच ऐपिडो पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

केब एग्रीगेटरों के खिलाफ शिकायतें मिली थी

इनमें यात्रा शुरू होने से पहले चालक को टिप देने का विकल्प भी शामिल था। खरे ने कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को केब एग्रीगेटरों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें मिली हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की मुख्य शिकायत यह थी कि यात्रा शुरू होने से पहले ही उन्हें टिप देने का विकल्प दिया जा रहा था। सीसीपीए ने कहा कि उपभोक्ताओं पर यह दबाव भी बनाया जा रहा था कि अगर वे टिप नहीं देंगे तो उन्हें यात्रा नहीं मिलेगी। सीसीपीए प्रमुख की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रही खरे ने कहा, “हमने इसे आमक और अगुचित व्यापार व्यवहार पाया।”

ग्लास वॉल का शेयर पहले दिन 18 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ग्लास वॉल सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड का शेयर बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने 182 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 18 प्रतिशत से अधिक चढ़कर बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी शेयर 190.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 4.45 प्रतिशत अधिक है। 25.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 228.10 रुपये तक पहुंचा।

प्रसोल केमिकल्स एक प्रतिशत टूटकर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। विशेष रसायन विनिर्माता कंपनी प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड का शेयर बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने 676 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर ने 611 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 9.61 प्रतिशत कम है। कारोबार के दौरान यह 11.16 प्रतिशत टूटकर 600.50 रुपये पर आ गया। अंत में यह 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 672.05 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 9.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 610 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। अंत में यह 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 671 रुपये पर रहा।

न्यायालय, पंजीयक, लोक न्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी अनुभाग अद्यास्ताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र.../ब- 113/2026-27 प्राचय-4

[नियम-5 (1) देखिए]

(मध्यप्रदेश लोक न्याय अधिनियम 1951 की धारा-5 (2) एवं मध्यप्रदेश लोक न्याय अधिनियम 1962 के नियम-5 (1) के अंतर्गत)

आवेदन दूरदूरस्थ जस्टिस जनहितकारी दूरद, जबलपुर एक्सप्रेस कार्यालय, एस-5, सिविक सेंटर, जबलपुर के द्वारा राजकुमार कुमार जैन पिता श्री स्व. श्री रुपचंद जैन, के द्वारा न्याय पंजीयन हेतु मध्यप्रदेश लोक न्याय अधिनियम 1951 के नियम 4 के अधीन नीचे अनुसूची में दर्शाई गई संपत्ति लोक न्याय की तरह विनिर्दिष्ट कर पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसमें न्यायियों का नाम पता तथा निर्धारित पर निम्नानुसार है:-

1. श्री राजकुमार जैन उम्र- 73 वर्ष, पिता स्व. श्री रुपचंद जैन, मकान नं. 1277/1, सेठ की बखरी के पास हनुमानताल जबलपुर म.प्र. 2. श्री सनत कुमार जैन उम्र 70 वर्ष, पिता स्व. श्री रुपचंद जैन, मकान नं. 1277/1, सेठ की बखरी के पास हनुमानताल जबलपुर, व समान्य दूरदी की संख्या 11 होगी। अतः एतद्वारा आम जनता को सुचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर संघारित प्रकरण मेरे न्यायालय में पेशी दिनांक 15 अक्टूबर 2026 को विचार के लिए नियत है, कोई भी व्यक्ति/संस्था उक्त न्याय या संपत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन / दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अथवा उक्त नियत दिनांक को न्यायालय में मेरे समक्ष रख्य या अपने अभिभाषक या अभिकर्ता के माध्यम से उपरिष्ठ होकर प्रस्तुत करें, उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात प्राप्त आपत्तियों / दावों / सुझावों पर कोई विचार के लिए ग्राह्य नहीं किया जायेगा।

अनुसूची

(लोक न्याय की सम्पत्ति का विवरण एवं लोक न्याय का नाम और पता)

1. लोक न्याय का नाम एवं पता : रुपशील हरेन्द्र जन्मिहकारी दूरद जबलपुर एक्सप्रेस कार्यालय, एस-5, सिविक सेंटर, जबलपुर

2. न्याय की आय का साधन : दान एवं चंदे द्वारा

3. चल सम्पत्ति : निरक

4. अवल सम्पत्ति : निरक

पंकज मिश्रा

पंजीयक लोक न्याय एवं अनुविभागीय अधिकारी, अनुभाग- आद्यास्ताल जबलपुर

जाती दिनांक 10/09/2026

निचले स्तर पर खरीदारी से बाजार में तेजी लौटी

एजेंसी ►► मुंबई



पिछले कारोबारी सत्र में गिरावट के बाद निचले स्तर पर लिवाली से घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी आई। बैंक शेयरों की अगुवाई में मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 333 अंक चढ़ा

■ बैंक शेयरों की अगुवाई में सेंसेक्स में आई तेजी जबकि एनएसई निफ्टी 23,200 अंक के पार चला गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 332.63 अंक चढ़कर 74,336.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 502.04 अंक की तेजी के साथ 74,505.86 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी भी 99 अंक की बढ़त के साथ 23,217.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, टाटा, महिंद्रा एंड

महिंद्रा और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व शामिल हैं। एचएसटी वेल्थ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हरिसैल्वन राधाकृष्णन ने कहा, “मंगलवार की तेज गिरावट के बाद बैंक शेयरों और कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली से शेयर बाजार में कुछ तेजी आई। मुख्य रूप से बैंक निफ्टी ने 56,000 अंक के स्तर को फिर हासिल करते हुए बाजार को सहारा दिया।”

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

लोककर्म विभाग निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://mptender.gov.in> पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य समायाधि एवं लागत लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-567 Date-16/09/2026 2026_UAD_536270_1	वाई.क. 75 के अंतर्गत गौतम नगर में लकड़ी टाल के बाजू से अंजली व्यूटी पार्लर के बाजू से आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	02 माह रु. 04.40 लाख	2000/- 4400/-	01/10/2026
नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptender.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।					

कार्यालय नगर परिषद लखनादोन, जिला सिवनी (म.प्र.)

फोन नं. - 07690-240139 ईमेल - cmolakhnadoan@mpurban.gov.in

NIT : 423/PWD/NP/2026

निविदा सूचना

DATE :- 15.09.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://www.mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समायाधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2026_UAD_536079_1 दि. 15/09/2026	SUPPLY OF DIFFERENT MATERIAL UNDER PWD FOR WARD NO 01 TO 15 (Year 2026-27)	05 दिन 4,98,500/-	2,000/- 10,000/-	01/10/2026

शर्त-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन <https://www.mptenders.gov.in> की वेबसाइट पर किया जावेगा, से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगर परिषद लखनादोन जिला- सिवनी (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, (म / स) संभाग छिन्दवाड़ा									
e-mail:- eeepwdchhind@mp.nic.in					छिन्दवाड़ा दिनांक 11.09.2026				
निविदा सूचना क्रं. 07/व.ले.सि./2026-27/					निविदा आमंत्रण सूचना				
निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से डाउनलोड की जा सकेगी।									
स. क्रं.	टेडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
1	535166	छिन्दवाड़ा	सड़क कार्य	राजना पहुँच मार्ग लं.2.20 कि.मी. विद्युतीकरण सहित मजबूतीकरण का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	266.06	2,66,100/-	15,000/-	08 माह वर्षाकाल सहित	
2	535167	छिन्दवाड़ा	सड़क कार्य	भाड़ी झोलकलां मार्ग लं. 7.00 कि.मी. प्रस्तावित लं. 2.00 कि.मी. कामजबूतीकरण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	252.12	2,52,200/-	15,000/-	08 माह वर्षाकाल सहित	
3	535168	छिन्दवाड़ा	सड़क कार्य	नंदेबाग स्टेशन पहुँच मार्ग लं. 0.80 कि.मी. मय विद्युतीकरण कार्य सहित एवं कारमोहनी बंधी पहुँच मार्ग लं. 0.80 कि.मी. कुल लं. 1.60 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	233.47	2,33,500/-	15,000/-	08 माह वर्षाकाल सहित	
कुल योग:-					751.65 लाख				
टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर हाय्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन कब करने की अंतिम तिथि 30.09.2026 समय शाम 17.30 बजे तक है। ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को मान्य किया जायेगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेब साईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।									
G-18679/26					कार्यपालन यंत्री ले.नि.वि.(म/स) संभाग छिन्दवाड़ा म.प्र.				

कार्यालय नगर परिषद, चीवली, जिला - नरसिंहपुर (म. प्र.)

(Phone : 07790-226620 Email: cmochichli@mpurban.gov.in)

पत्र क्र. 702/ई-टेण्डर/2026-27

तृतीय दुकान ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

चीवली, दिनांक 02/09/26

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद चीवली के स्वामित्व की बार्ड क्र. 01 में स्थित पुराना धाना रोड पर निर्माणधीन कोम्प्लेक्स द्वितीय नीलामी में शेष बची दुकानों को म.प्र. नगरपालिका (अवल संपत्ति का अंतरण) नियम 2016 तथा संशोधित नियम 04 मई 2021 एवं दिनांक 28.03.2023 (निविदा दिनांक तक हुए समस्त संशोधनों सहित) में उल्लेखित एवं विरचित प्रावधानों के अधीन आवंटन हेतु लमस दर पर ऑनलाइन निविदा ऑफर आमंत्रित किया जाता है। दुकानों से संबंधित विवरण निम्नानुसार है:-

स. क्र.	टेण्डर आई.डी.नं. जारी दिनांक	दुकान क्र.	क्षेत्रफल वर्गमीटर	दुकानों का वर्ग (आरक्षण)	न्यूनतम प्रीमियम राशि	प्रतिभूति निक्षेप /अर्नरट मनी राशि (2.5 प्रतिशत)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_UAD_474581_3 03.09.2026	1	17.71	अनारक्षित	787361.00	19600.00	2000.00	22.09.2026
2	2026_UAD_474585_3 03.09.2026	3	18.15	अनारक्षित	803119.00	20080.00	2000.00	22.09.2026
3	2026_UAD_474589_3 03.09.2026	7	18.22	अनुसूचित जाति	806040.00	20155.00	2000.00	22.09.2026
4	2026_UAD_474591_3 03.09.2026	9	18.15	अनुसूचित जनजाति	803119.00	20080.00	2000.00	22.09.2026
5	2026_UAD_474593_3 03.09.2026	10	17.68	अन्य पिछड़ा वर्ग	782358.00	19560.00	2000.00	22.09.2026
6	2026_UAD_474595_3 03.09.2026	11	17.17	महिला (विधवा)	494040.00	12360.00	2000.00	22.09.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन <http://www.mptenders.gov.in> की वेबसाइट पर ही किया जायेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी

नगर परिषद, चीवली

चिंतन

एमडीआर का बोझ तो ग्राहक पर ही पड़ेगा

यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त लागत का सवाल केवल व्यापारियों की चिंता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर बाजार, कीमतों और अंततः आम ग्राहक की जेब पर ही पड़ने वाला है। यही वजह है कि मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर को लेकर उठी आशंकाओं को गंभीरता से समझने की जरूरत है। नियम चाहे कुछ भी कहें कि एमडीआर सीधे ग्राहक से नहीं वसूला जाएगा, लेकिन बाजार की हकीकत इससे अलग होती है। कारोबारी की लागत बढ़ती है तो वह उसे लंबे समय तक अपनी जेब से नहीं भरता। उसका असर किसी न किसी रूप में वस्तु की कीमत, ड्यूट, मार्जिन या सेवा शुल्क में दिखाई देता है। व्यापारी या तो अपना मार्जिन घटाता है या ग्राहक को मिलने वाली छूट कम करता है। अंततः अतिरिक्त बोझ ग्राहक को भुगतना होता है। त्योहारी मौसम में इसका असर और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। इस समय बाजार में खरीदारी बढ़ती है और दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान वाले लेनदेन भी सामान्य होते हैं। यदि ऐसे भुगतान व्यापारियों के लिए मगरे होते हैं तो वे लागत कम करने के लिए दूसरे विकल्प तलाशेंगे। दिल्ली के विभिन्न बाजार संगठनों से सामने आई प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि कुछ व्यापारी नकद भुगतान को बढ़ावा देने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल इंडिया के उस दिशा के विपरीत होगी, जिसमें कम नकद और अधिक डिजिटल भुगतान की संस्कृति विकसित करने पर लगातार जोर दिया गया है। वहाँ, सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फैसला वापस नहीं लिया जाएगा। त्योहारी सीजन में यदि बड़ी संख्या में ग्राहक डिजिटल भुगतान के बजाय नकद का इस्तेमाल करने लगे तो बैंकों और एटीएम पर दबाव बढ़ेगा। पर्याप्त नकदी उपलब्ध नहीं हुई तो ग्राहकों को परेशानी होगी। बाजार में भुगतान का प्रवाह भी प्रभावित हो सकता है। सबसे बड़ी चिंता यह होगी कि कहीं ऐसी स्थिति डिजिटल भुगतान की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े न कर दे। जिस यूपीआई को सुविधा और भरोसे का पर्याय बनाया गया है, उसके इस्तेमाल में लागत का सवाल लोगों को फिर से नकद की ओर धकेल सकता है। व्यापारियों की परेशानी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कम मार्जिन पर काम करने वाले छोटे और मध्यम दुकानदारों के लिए हर लेनदेन पर लगने वाली छोटी लागत भी महीने और साल के हिसाब से बड़ा खर्च बन सकती है। व्यापारी पहले से कार्ड भुगतान और अन्य लेनदेन शुल्क की शिकायत करते रहे हैं। ऐसे में नई लागत को लेकर उनकी चिंता स्वाभाविक है। सरकार और भुगतान व्यवस्था से जुड़े संस्थानों के सामने चुनौती यही है कि डिजिटल भुगतान की रफ्तार भी बनी रहे और व्यापारियों पर अनावश्यक लागत का दबाव भी न पड़े। इसका समाधान ऐसा होना चाहिए, जिसमें ग्राहक, व्यापारी और डिजिटल भुगतान व्यवस्था तीनों के हितों का संतुलन हो। यदि भुगतान की लागत बढ़ती है और व्यापारी नकद की ओर लौटने लगते हैं तो इसका असर केवल दुकानदार तक सीमित नहीं रहेगा। कीमतों पर दबाव बढ़ेगा, ग्राहक की जेब प्रभावित होगी और डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी धीमी पड़ सकती है। इसलिए एमडीआर को लेकर फैसला करते समय केवल शुल्क की वसूली नहीं, उसके पूरे बाजार प्रभाव को देखना होगा। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की नीति तभी सफल होगी, जब वह व्यापारी और ग्राहक दोनों के लिए सुविधाजनक और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनी रहे।

जयंती पर विशेष रमेश सर्राफ

सृष्टि के पहले इंजीनियर माने जाते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा पूजा भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन देशभर में स्थित कारखानों, कार्यशालाओं और विभिन्न कार्यस्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है ताकि श्रम और कौशल का सम्मान किया जा सके और आने वाले वर्ष के लिए आशीर्वाद प्राप्त हो सके। हर साल विश्वकर्मा पूजा कन्या संक्रांति के दिन मनाई जाती है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ था। इसलिए इसे विश्वकर्मा जयंती भी कहते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक है। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं, जिन्होंने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होंने ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है, जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की गाँधि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाएं भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे, जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अँगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्यष्टा, शिल्पी और देवर्ष इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किए बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यम्पुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा के विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरों, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। इसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



पड़ोस
 प्रो. डॉ. मनोज दयाल

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंद्विता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंद्विता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ - इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैनुफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबोरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलर तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा।

इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेतारों के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठे हैं और ‘रिस्टार्ट’ (फिर से शुरूआत) से ‘नई ऊंचाई’ की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं, व्यापार की

आनंदमय कोष की प्राप्ति

अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष के पश्चात प्रवेश होता है आनंदमय कोष में। अन्न से उत्पन्न यह शरीर त्वचा, मांस, चर्म और रधिर युक्त है। यह आत्मा नहीं है। प्राणमय कोष भी आत्मा नहीं, क्योंकि प्राण वायु के रूप में शरीर में आता-जाता है। मनोमय कोष व्यक्ति को विषयों में आसक्त करता है और आत्मभाव में स्थित नहीं होने देता है, इसलिए यह भी आत्मा नहीं है। जागृति, स्वप्न, सुषुप्ति, सुख-दुःख, जन्म-मरण, लाभ-हानि विज्ञानमय कोष में रहते हैं, इसलिए यह भी आत्मारूप आनंदमय कोष नहीं हो सकता है। श्रीरामचरितमानस में मात्र श्रीभरत इन कोषों का उपादान रूप में उपयोग करते हुए भी आनंदमय कोष हैं, जिनका राम से सर्वथा ऐक्य है। सारा संसार भरत की इस महत्व भूमिका के कारण ही दीपावली का प्रकाश पर्व मनाता है। दीपावली सनातन संस्कृति का सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहार है। पूरा कार्तिक माह घरी तथा व्यापारिक संस्थानों की स्वच्छता व सजावट में लग जाता है। दीपावली के इस दृष्ट बाढ़ और लौकिक रूप में कौन-सा आंतरिक तत्व छिपा है, जिसे जानने के पश्चात दीपावली हमें हमारे मूल वैदिक परंपराओं की नींव से जोड़ देती है। श्रीरामचरितमानस में भक्ति के सोपानों का वर्णन अरण्यकांड में है, जिसका विश्लेषण भगवान श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण की जिज्ञासा-समाधान में करते हैं। उसी तरह ज्ञान प्राप्ति के सोपानों का वर्णन मानस के अंतिम उत्तरकांड में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी के समक्ष करते हैं।



करंट अफेयर

एआई में चीन और अमेरिका के बीच तकनीकी अंतर हुआ कम

कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के तेजी से विकास के संभावित जोखिमों पर दुनिया में बहस तेज होने के बीच अमेरिका और चीन अधिक शक्तिशाली एआई मॉडल विकसित करने की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका कई वर्षों तक एआई मॉडल की क्षमता, शोध और अन्य क्षेत्रों में चीन सहित अन्य देशों को आगे रहा है। हालांकि, चीन अब तेजी से इस अंतर को कम कर रहा है। अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों के कारण चीन को अत्याधुनिक चिप और उन्हें बनाने वाली मशीनों सहित कुछ उन्नत प्रौद्योगिकियों तक पहुंच नहीं है। स्टैनफोर्ड इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन-सेंटेड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक जानकार सहित विशेषज्ञों और हालिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन एआई के क्षेत्र में अमेरिका के लिए मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है और इस साल उसने अमेरिकी बढ़त को काफी हद तक कम कर दिया है। जॉन्स हॉपकिन्स स्कूल ऑफ एडवांस्ड इंटरनेशनल स्टडीज के सैम सेक्स ने कहा, ‘अमेरिकी और चीनी मॉडलों के बीच अंतर कम और अस्थिर है।’ एआई को लेकर यह बहस ऐसे समय हो रही है जब चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के इस महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए वाशिंगटन आने की उम्मीद है।



भारत-चीन साझेदारी का नया अध्याय

जब वाशिंगटन टैरिफ की दीवारें खड़ी कर रहा हो, तब नई दिल्ली और बीजिंग के बीच पुल बनना केवल दो देशों की घटना नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था के बदलने का संकेत है। भारत और चीन के बीच हाल ही में बनी सार्थक सहमति इसी बदलाव का नाम है। यह सहमति महज एक कूटनीतिक दस्तावेज नहीं, बल्कि एशियाई शताब्दी का घोषणापत्र है।

एशिया की दो प्राचीन सभ्यताएं, दो सबसे बड़ी आबादी और दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं जब प्रतिद्वंद्विता की जगह सहयोग चुनती हैं, तो दुनिया को सुनना पड़ता है। आज वक्त की पुकार प्रतिद्वंद्विता नहीं, कोलैबोरेशन है। पिछले एक दशक से भारत-चीन संबंधों को पश्चिमी मीडिया ने जानबूझकर ‘प्रतिद्वंद्विता’ के फ्रेम में फिट किया। सीमा पर तनाव, व्यापार घाटा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व की होड़ - इन सबको इस तरह परोसा गया जैसे दोनों का टकराव तय है। पर सच क्या है? टकराव से किसका भला हुआ? सैनिक तैनाती बढ़ी, खर्च बढ़ा, पर विकास की रफ्तार थमी। अब दोनों देशों को यह समझ आ गया है कि 21वीं सदी की चुनौतियां-जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, रोजगार का संकट - ऐसी हैं जिनका सामना अकेले नहीं किया जा सकता। यदि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब है, तो चीन सबसे बड़ा मैनुफैक्चरिंग हब। यदि भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर है, तो चीन में हार्डवेयर की ताकत है। कोलैबोरेशन होगा तो भारत की बनी दवाएं और सॉफ्टवेयर चीन के बाजार में जाएंगी, चीन की सोलर तकनीक भारत में सस्ती बिजली लाएगी। कोऑपरेशन होगा तो एशिया की सप्लाई चेन मजबूत होगी। परंतु प्रतिद्वंद्विता में दोनों थकेंगे और फायदा वाशिंगटन और यूरोप ले जाएंगे। सहयोग में दोनों जीतेंगे और एशिया जीतेगा। यही वक्त की पुकार है और इस नई सहमति ने उसी पुकार को सुना है। अब भारत अपनी धरती से चीन विरोधी साजिश नहीं होने देगा।

इस समझौते का सबसे परिपक्व और सबसे शक्तिशाली संदेश भारत की ओर से आया है - भारत अपनी जमीन से किसी भी तीसरे देश को चीन विरोधी गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं देगा। यह एक लाइन नहीं, भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का घोषणापत्र है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेतारों के रणनीतिक मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे निचले स्तर से ऊपर उठे हैं और ‘रिस्टार्ट’ (फिर से शुरूआत) से ‘नई ऊंचाई’ की ओर बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्र लगातार बढ़ रहे हैं, व्यापार की

मात्रा रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान अधिक गतिशील हो रहा है। दुनिया जानती है कि कई पश्चिमी शक्तियां चाहती हैं कि भारत को चीन के खिलाफ एक फ्रंटलाइन स्टेट बना दिया जाए, एक मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाए। भारत ने स्पष्ट कर दिया - हम किसी के मोहरे नहीं हैं। हम किसी के कहने पर न दोस्ती करते हैं, न दुश्मनी। भारत ने चीन को भरोसा दिया है कि दलाई लामा से लेकर किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर भारत की धरती का दुरुपयोग नहीं होगा। बदले में भारत को उम्मीद है कि चीन भी पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में भारत के कोर इंटरस्ट



का ख्याल रखेगा। यह बराबरी की बात है, झुकाव की नहीं। यह भारत के विश्वगुरु बनने की दिशा में एक आत्मविश्वासी कदम है। भारत की ओर शांति शांति है, पर सतर्कता में रती भर ढील नहीं है।

कुछ लोग इस समझौते को 1962 से पहले वाली भावुकता समझ रहे हैं। उन्हें समझना चाहिए - यह 2026 का भारत है। हां, यह सच है कि सीमा पर सैनिकों की संख्या कम हुई है, गश्त के नियम तय हुए हैं, बफर जोन पर सहमति बनी है और एलएसी पर तनाव घटा है। यह स्वागत योग्य है, क्योंकि इससे हर साल हजारों करोड़ रुपये का सैनिक खर्च बचेगा और जवानों को राहत मिलेगी। पर इसका अर्थ यह कतई नहीं कि भारत ने आंखें मूंद ली हैं। पिछले चार सालों में भारत ने सीमा पर जो किया है, वह 70 सालों में नहीं हुआ - ऑल वेदर रोड, सुरंगें, नए एयरफील्ड, सैटेलाइट निगरानी और सेना का आधुनिकीकरण। वह सब जारी रहेगा, और तेज होगा। हमारी नीति साफ है - बाचीत भी, तैयारी भी। विश्वास भी, सत्यापन भी। हम हाथ बढ़ा रहे हैं, पर हाथ में लाठी रखना नहीं भूल रहे। हम गले भी मिल रहे हैं, पर आंखें

खोलकर। यह चाणक्य नीति है, और यही असली कूटनीति है। शांति की पहल हो, पर सुरक्षा से कोई समझौता नहीं। अब यह भारत, चीन, रूस विरोधी अमेरिकी तानाशाही में और भी अधिक प्रासंगिक है। इस समझौते की टाइमिंग को समझिए। यह तब आया है जब अमेरिका अपनी टैरिफ नीति से पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अमेरिका ने भारत के स्टील, एल्युमिनियम और फार्मा उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा दिया है। चीन पर तो 100 प्रतिशत से अधिक ड्यूटी थोप दी गई है। रूस पर प्रतिबंध हैं। अमेरिका डॉलर और अपनी तकनीक को हथियार बनाकर पूरी दुनिया को अपनी शर्तों पर व्यापार करने को मजबूर करना चाहता है।

ऐसे में भारत और चीन के पास दो ही रास्ते हैं - या तो अलग-अलग रहकर अमेरिका की मनमानी सहते रहें, या एक साथ आकर अपना खुद का रास्ता बनाएं और समझदार देश दूसरा रास्ता चुनते हैं। यदि भारत और चीन आपस में व्यापार बढ़ाते हैं, अपनी मुद्रा में कारोबार करते हैं, ब्रक्स और एएससीओ को मजबूत करते हैं, तो अमेरिका की टैरिफ की दीवार अपने आप बेमानी हो जाएगी। जब वाशिंगटन बाजार बंद करेगा, तो नई दिल्ली और बीजिंग एक-दूसरे के लिए बाजार खोल देंगे। इसलिए यह समझौता केवल द्विपक्षीय नहीं, बल्कि वैश्विक दक्षिण की एकजुटता का प्रतीक है। यह अमेरिका को सीधा संदेश है - एशिया अब तुम्हारी टैरिफ धमकियों से नहीं डरेगा। एशिया अपना भविष्य खुद लिखेगा। अब यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या फिर से ‘हिंदी-चीनी भाई-भाई’ का युग लौटेगा? 1954 में नारा लगा था - ‘हिंदी-चीनी भाई-भाई’। वह नारा भावुकता में लगा था और इसलिए 1962 में टूट गया। क्या वह युग फिर लौटेगा? जवाब है - हां, पर नए रूप में।

अब वह बोला भाई-भाई नहीं होगा। अब वह प्रैक्टिकल भाई-भाई होगा। अब आंखें बंद करके गले नहीं मिलेंगे, आंखें खोलकर हाथ मिलाएंगे। अब नारे नहीं, समझौते होंगे। अब भावुकता नहीं, बराबरी होगी। नया नारा होगा - ‘हिंदी-चीनी, सहयोगी-सहकारी।’ यदि यह साझेदारी ईमानदारी से चली, व्यापार संतुलन सुधरा और सीमा पर शांति रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब भारत और चीन मिलकर दुनिया को बताएंगे कि युद्ध नहीं, बुद्ध ही भविष्य है। और तब यह सार्थक सहमति इतिहास में एक मील के पथ्थर के तौर पर याद की जाएगी।

(लेखक कुशभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विद्याविद्यालय, रायपुर के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंजिल तक कैसे पहुंचा जाए



संकलित
प्रेरणा

मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका
 मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझान या मानवतात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालांकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं। मानसिक स्वास्थ्य में एआई की भूमिका बढ़ने वाली है। - *विकास यशवीरर्जी, भिवानी*

ज्यादा बर्फ है कि इससे पूरे अमेरिकी महाद्वीप में बर्फ की पांच फुट की परत बिछाई जा सकती है। बुधवार को ‘साइटैफिक डेटा’ पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक, धरती के गर्म होने से ग्रह की दो बड़ी बर्फ की चादरों (आइस शीट्स) के पिघलने की रफ्तार बढ़ रही है। पिघलने वाली बर्फ का छह में से पांचवां हिस्सा गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि गर्म पानी की वजह से पिघल रहा है जो नीचे और किनारों से बर्फ की चादरों को काट रहा है, और हिमनद समुद्र में बह रहे हैं। अध्ययन

ग्रीनलैंड -अंटार्कटिका से 12,000 अरब टन से ज्यादा बर्फ पिघली

एक प्रमुख वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार, 1979 से ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के हिमनदों से लगभग 12500 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है। यह इतनी ज्यादा बर्फ है कि इससे पूरे अमेरिकी महाद्वीप में बर्फ की पांच फुट की परत बिछाई जा सकती है। बुधवार को ‘साइटैफिक डेटा’ पत्रिका में छपे एक अध्ययन के मुताबिक, धरती के गर्म होने से ग्रह की दो बड़ी बर्फ की चादरों (आइस शीट्स) के पिघलने की रफ्तार बढ़ रही है। पिघलने वाली बर्फ का छह में से पांचवां हिस्सा गर्म हवा की वजह से नहीं, बल्कि गर्म पानी की वजह से पिघल रहा है जो नीचे और किनारों से बर्फ की चादरों को काट रहा है, और हिमनद समुद्र में बह रहे हैं। अध्ययन करने वालों का कहना है कि भविष्य में सफा जलस्तर बढ़ने के लिहाज से यह बुरी खबर है। अध्ययन के सह-लेखक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, इरविन के हिम वैज्ञानिक एरिक रिग्नोट ने कहा, ‘बर्फ की चादरें तेजी से पिघल रही हैं। हम वृवीय क्षेत्रों की बर्फ को रहे हैं, समुद्र का जलस्तर दुनियाभर में बढ़ रहा है और इससे तटीय क्षेत्रों की असुरक्षा और बढ़ेगी। पिघलने की प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं।



फाल्के पुरस्कार
 जाने-माने अभिनेता अजंत नाग को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर बधाई। उन्होंने अपने हट किरदार में बेजोड़ अभिनय और जान डाल दी है। एक महान कलाकार के लिए यह सम्मान बहुत ही योग्य सम्मान है। - **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

वैतन सीमा
 कैदीय मंत्रिमंडल द्वारा आम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य कवरज के लिए वैतन सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति माह करने की ऐतिहासिक मंजूरी अत्यंत सरहनायीय है। - **योगी आदित्यनाथ**, सीएम, उत्तर प्रदेश

डिजिटल पेमेंट टैक्स
 मोदी सरकार की लूट अब यूपीआई तक पहुंच गई है। यूपीआई पर कोई फीस नहीं" वाली बात को बदलकर "2,000 तक के ट्रांजेक्शन पर कोई फीस नहीं" कर दिया गया है। बीजेपी सरकार जनता पर "डिजिटल पेमेंट टैक्स" लगाने की योजना बना रही है। - **गल्लिकार्नुनी खरगो**, अरुणच, कांग्रेस

सच
 झारखंड के छात्र हमारे राज्य का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ अस्वीकार्य है। सिंदो-कान्हा नुर्गु विरादितवालय और इसके आसपास अपने वाले कॉलेजों के छात्र प्रतीक्षा प्रणाली जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। - **अर्जुन गुडा**, पूर्व कैदीय कैबिनेट मंत्री

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
 पिन कोड-482002
 ई-मेल : edit@haribhoomi.com
 वेब-साइट : www.haribhoomi.com

भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे दोनों जहाज टकरा गए

अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी जहाज

एजेसी ►► नई दिल्ली

पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जहाज से टकरा गया। घटना कब की है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय युद्धपोत नियमित निगरानी मिशन पर था। इसी दौरान पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में आया और गलत दिशा में मुड़ गया, जिससे दोनों जहाज टकरा गए। पाकिस्तानी जहाज का नाम पीएनएस हुनेन है। इसे समुद्री निगरानी और गश्त के लिए इस्तेमाल किया जाता है। टक्कर में इसको नुकसान पहुंचा है। हालांकि, भारतीय नौसेना के जिस जहाज से इसकी टक्कर हुई, इसका पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के चार्ज डी'अफेयर्स (सौदीए) को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने घटना को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया।

भारत ने पाक राजनियक को किया तलब कहा- घटना अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर

►► पाकिस्तानी जहाज का आचरण समझौते के विपरीत

►► दोनों देशों की सैन्य इकाइयों से सावधानी बरतने की अपील

2011 में टकराए थे भारतीय-पाकिस्तानी जहाज



एआई इमेज

भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच समुद्र में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है। 2011 में भारतीय नौसेना के आईएनएस गोदावरी और पाकिस्तानी नौसेना के पीएनएस बाबर के बीच भी टक्कर हुई थी। टक्कर को लेकर पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि भारतीय जहाज ने उसके काम में रुकावट डाली और खतरनाक तरीके से जहाज चलाया। भारत ने इस आरोप को गलत बताया। भारत के मुताबिक, पीएनएस बाबर ने आईएनएस गोदावरी को दाईं तरफ से पार करने की कोशिश की और इसी दौरान उसके हेलिकॉप्टर डेक वाले हिस्से से टकरा गया। इस दौरान हेलिकॉप्टर का जाल क्षतिग्रस्त हुआ था। भारत ने तब भी 1991 के समझौते के आर्िकल 10 का हवाला देते हुए पाकिस्तान के सामने विरोध दर्ज कराया था। पीएनएस बाबर, सोमालियाई समुद्री लुटेरों से छुड़ाए गए एमवी सुएज जहाज की सुरक्षित लै जा रहा था। यह मिस्र के मालिकाना हक वाला जहाज था। इसे सोमालियाई समुद्री लुटेरों ने बंधक बना लिया था।

खबर संक्षेप

सूडान में सोने की खदान ढहने से 67 की मौत

खार्तूम। सूडान के वेस्ट कोर्डोफान प्रांत के नुहुद शहर स्थित अल-जारा सोने की खदान ढहने से बड़ा



हानसी हो गया। हानसी में कम से कम 67 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। यह जानकारी एक चिकित्सा समूह और हानसी में बचे लोगों ने बुधवार को दी। खदान मंगलवार देर रात अचानक ढह गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मलबे के नीचे दब गए।

231 किलोग्राम नशे की गोलियां जब्त, 3 अरेस्ट

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय ने असम और त्रिपुरा के कई इलाकों में खुफिया सूचना के



आधार पर नशीली दवाओं मेथामफेटामाइन की सबसे बड़ी बरामदगी की है। जब्त की मूल्य सैकड़ों करोड़ रुपए में है। डीआरआई अधिकारियों ने बैन पदार्थ और वाहन को जब्त कर चालक सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

विमान का हवा में टायर फटा, सभी यात्री सुरक्षित

मशहद। ईरान के मशहद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक विमान की इमर्जेंसी लैंडिंग करानी



पड़ी। विमान का हवा में ही एक टायर फट गया। सेफरान एयरलाइंस के बोईंग 737 विमान के टायर फटने के बाद इंजन को भी नुकसान पहुंचा। इसके चलते पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस मशहद ले जाने का फैसला किया।

दोहरे भूकंप से सहमा नेपाल, कोई हानि नहीं

काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में बुधवार तड़के दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोनों



भूकंप के बाद तत्काल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। पहला भूकंप स्थानीय समयानुसार करीब रात 1:51 बजे आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र मुगु जिले के कलाई इलाके के पास बताया गया है।

इजराइल के ई1 सेटलमेंट प्रोजेक्ट पर बढ़ा विवाद

एजेसी ►► नई दिल्ली

पिछले महीने इजराइल ने अधिकृत वेस्ट बैंक के ई1 क्षेत्र में 1,234 इजराइली आवासीय इकाइयों के निर्माण के लिए टेंडर जारी किए हैं। इस कदम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध बढ़ गया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इसे अस्वीकार्य बताया। स्ट्रासबर्ग में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' के सालाना कार्यक्रम में यूरोपीय सांसदों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टू-स्टेट सॉल्यूशन (दो-देश समाधान) की उम्मीद को जिंदा रखना यूरोप की जिम्मेदारी है।

एआई को लेकर बिल गेट्स की चेतावनी इसके विकास की गति धीमी करने में इंसानियत की भलाई

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिग्गत टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स उन बड़े नामों की बढ़ती सूची में शामिल हो गए हैं जो इस बात पर सहमत हुए हैं कि एडवॉंस्ड एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के विकास की रफ्तार धीमी करने से इंसानियत का भला होगा। गेट्स फाउंडेशन की 2026 की रिपोर्ट, 'मेक दिस फाउंडेशन की 2026 की रिपोर्ट, 'मेक दिस



मैटर: एआई, इक्विटी, एंड द चॉइस वी कॉंट्रिले' यह तर्क देती है कि एआई का भविष्य अनिश्चित है और यह तय करने का समय बहुत कम है कि किसे और कितनी जल्दी इसका लाभ मिलेगा।

बिल गेट्स ने कहा कि एआई एक बहुत ही अनोखी टेक्नोलॉजी है। मैं उन लोगों को सावधान करना चाहता हूं जो सोचते हैं कि एआई के असर को मैनेज करना उतना ही आसान होगा जितना दूसरी टेक्नोलॉजी को मैनेज करना रहा है। जिसमें वे टेक्नोलॉजी भी शामिल है जिनसे मैं अपने माइक्रोसॉफ्ट करियर के दौरान गहराई से जुड़ा था, जैसे पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट। यह बहुत अलग है, यह बहुत गहरा असर डालने वाली चीज है।

►► एआई को मैनेज करना आसान नहीं

बिल गेट्स ने एआई के प्रभावों को लेकर सचेत करते हुए कहा कि जो लोग सोचते हैं कि एआई के प्रभावों को संभालना उतना ही आसान होगा जितना कि पिछली तकनीकों को संभालना था, वे गलतफहमी में हैं। गेट्स ने बताया कि पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट का कि दौरान अपने माइक्रोसॉफ्ट करियर में उन्होंने जिस दौर को देखा है, एआई उससे पूरी तरह से अलग और बहुत ज्यादा गहरा है। एआई की तेजी से बढ़ती क्षमता और इसकी संभावित खतरनाक सीमाओं पर बात करते हुए गेट्स फाउंडेशन की 10वीं वार्षिक 'ग्लोबलपर्स रिपोर्ट' का भी जिक्र किया गया।

दुनिया को तैयार होने की जरूरत

एआई की बढ़ती हुई खूबियों और खुद को बेहतर बनाने की उसकी तेज रफ्तार का जिक्र करते हुए, बिल गेट्स ने संकेत दिया कि वे इस सच्चाई को मानने की ओर झुके हैं कि दुनिया एआई के इतने तेज डेवलपमेंट और उसके नतीजों को समझे बिना उसे अपनाने के लिए तैयार नहीं है। गेट्स ने कहा कि मेरे लिए यह बात बहुत हेरान करने वाली है कि अहम हम चीजों की रफ्तार धीमी कर सकें, तो हमें इस पर विचार करना चाहिए, क्योंकि हमें इतने तेजी से हो रहे बदलाव के लिए तैयार होने की जरूरत है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी इन्वेंशन को बढ़ावा दिया है। पर्सनल कंप्यूटर माइक्रो-कंप्यूटर का कि के अगुआ, जिन्होंने 1975 में अपने पुराने दोस्त पॉल एलन के साथ मिलकर माइक्रोसॉफ्ट की शुरुआत की थी, उसने इस चिंता को माना कि क्या एआई अब इतना स्मार्ट हो गया है कि खतरनाक साबित हो सके।

यमन के हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब में मक्का के पास ड्रोन से हमला

भारत ने नागरिकों को खतरे में डालने वाली कार्रवाई की कड़ी निंदा की, जताया विरोध

एजेसी ►► नई दिल्ली

मक्का के पास कथित ड्रोन हमले को लेकर भारत ने गंभीर चिंता जताई है। सऊदी अरब ने यमन स्थित हूती विद्रोहियों पर पवित्र शहर की ओर ड्रोन भेजने का आरोप लगाया है। भारत ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि मक्का का दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष महत्व है। विदेश मंत्रालय ने साथ ही सऊदी अरब की जमीन पर होने वाले हमलों और नागरिकों तथा जरूरी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध दोहराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत मक्का के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के संसभु क्षेत्र पर होने वाले हमलों को भारत निंदा करता है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई भी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है, जिससे आम लोगों की जान और जरूरी बुनियादी ढांचे को खतरा पैदा हो। भारत ने इस घटना को मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण खास तौर पर गंभीर बताया है।

रणधीर जायसवाल

जरूरी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध दोहराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत मक्का के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के संसभु क्षेत्र पर होने वाले हमलों को भारत निंदा करता है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई भी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है, जिससे आम लोगों की जान और जरूरी बुनियादी ढांचे को खतरा पैदा हो। भारत ने इस घटना को मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण खास तौर पर गंभीर बताया है।



ड्रोन को हवा में रोका गया

घटना मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण गंभीर

शांति और स्थिरता कायम करें

भारत ने कहा कि मक्का के पास हुई घटना इसलिए भी बेहद चिंताजनक है, क्योंकि यह शहर दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब की संप्रभुता का सम्मान करने और ऐसी कार्रवाइयों से बचने पर जोर दिया है, जिनसे आम लोगों की जान को खतरा हो सकता है। भारत ने शांति और स्थिरता जल्द बहाल होने की उम्मीद भी जताई है।

यमन विद्रोहियों ने भेजे ड्रोन

यह बयान ऐसे समय आया है जब सऊदी अरब ने मक्का की ओर ड्रोन भेजे जाने का आरोप यमन स्थित हूती विद्रोहियों पर लगाया है। भारत ने अपने बयान में तीन प्रमुख बातों पर जोर दिया है। पहला, मक्का के पास ड्रोन हमले की रिपोर्ट पर गहरी चिंता। दूसरा, सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हमलों की स्पष्ट निंदा। तीसरा, नागरिकों और बुनियादी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध। इसके साथ भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता जल्द बहाल होने की उम्मीद जताई है।

मार गिराया ड्रोन

सऊदी अरब के एयर डिफेंस सिस्टम ने मंगलावार को मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने बुधवार को बताया कि ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में दाखिल होने से पहले ही मार गिराया गया।

यूएनएससी में हूती गतिविधियों पर चर्चा

वैश्विक व्यापार के सामने एक और बड़े संकट की आशंका के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यमन के हूती विद्रोहियों के लाल सागर के अहम इलाकों की ओर बढ़ने को लेकर चिंता जताई गई। राजनयिकों ने चेतावनी दी कि हूतियों की गतिविधियां लाल सागर के रास्ते स्वेज नहर तक पहुंचने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को प्रभावित कर सकती हैं। यूएन के असेससेंट सेक्रेटरी जनरल खालिद खियारी ने मंगलावार को सुरक्षा परिषद के आपात सत्र में कहा कि यमन के पश्चिमी तट पर लड़ाई तेज हो गई है। हूती बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे हैं और कथित तौर पर दक्षिणी लाल सागर के कई द्वीपों पर कब्जा कर चुके हैं।

इस्लामिक देशों के संगठन ने की निंदा

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने मक्का और मदीना क्षेत्र में हूती हमलों की निंदा की है। संगठन ने कहा कि पवित्र जगहों, मस्जिदों और आम लोगों के ठिकानों पर हमला करना आतंकवाद है। ऐसी कार्रवाई इस्लाम की सीख और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। यहां मुस्लिमों के प्रमुख पवित्र स्थल हैं और हर साल दुनिया भर से लाखों लोग हज के लिए पहुंचते हैं।

रक्षा साझेदारी और सैन्य सहयोग को बढ़ावा

थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ 3 दिन की रूस यात्रा पर

एजेसी ►► नई दिल्ली

चीफ आफ आर्मी (सीओएएस) जनरल धीरज सेठ 16 से 18 सितंबर 2026 तक रूस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी और सैन्य-से-सैन्य सहयोग को और मजबूत करना है। यात्रा के दौरान सीओएएस को मॉस्को में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और वह 'टॉम्ब



धीरज सेठ

ऑफ द अननोन सोल्जर्स' पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। वह रूसी थल सेना के कमांडर-इन-चीफ कर्नल जनरल आंद्रेई निकोलायेविच मोर्दीवचेव के साथ प्रशिक्षण समेत आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मॉस्को स्थित नेशनल डिफेंस कंट्रोल सेंटर का दौरा करेंगे और रूसी रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

मोदी सरकार का बड़ा एक्शन

शहजाद भट्टी नेटवर्क यूएपीए के तहत 'आतंकी' संगठन घोषित

एजेसी ►► नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीनए) को यूएपीए के तहत आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया गया है। सरकार के मुताबिक, नेटवर्क पर सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने के आरोप हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को आतंकवाद के

खिलाफ सरकार की 'जिरो टॉलरेंस' नीति से जोड़ा है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक सरकार ने यूएपीए की धारा 35 के तहत संगठन को आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल किया है। सरकार ने अधिसूचना में कहा है कि शहजाद भट्टी नेटवर्क सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए युवाओं और स्थानीय अपराधिकों को अपने नेटवर्क में शामिल करता रहा है।



शहजाद भट्टी

नई दिल्ली और वेलिंगटन के बीच व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

न्यूजीलैंड की संसद ने भारत के साथ हुए एफटीए की दी मंजूरी, अधिकतर निर्यात पर जीरो ड्यूटी

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने खुशी जताई समझौते से बॉर्डर पर तेजी से क्लीयरेंस मिलेगी

न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैकले ने कहा कि जब यह समझौता लागू होगा, तो भारत को होने वाले न्यूजीलैंड के 57 प्रतिशत निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। पूरी तरह लागू होने पर, 95 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क हटा दिए जाएंगे या काफी कम कर दिए जाएंगे। बॉर्डर पर तेजी से क्लीयरेंस मिलेगी और भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग तक बेहतर पहुंच मिलेगी, जो भोजन, टेक्नोलॉजी, शिक्षा, पर्यटन और अन्य उत्पादों की मांग बढ़ा रहा है।

न्यूजीलैंड की जीडीपी बढ़ेगी

ऑस्ट्रेलिया के वेस्टपैक इंस्टीट्यूशनल बैंक की एक रिपोर्ट में भारत के बड़े आकार और विकास की संभावनाओं पर जोर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एफटीए से अगले दशक में न्यूजीलैंड की जीडीपी में लगभग 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

निर्यातकों को होगा लाभ

मैकले ने कहा कि इस समझौते और इससे होने वाले संभावित आर्थिक फायदों के लिए संसद का मजबूत समर्थन मिला है। एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारत में ज्यादा पहुंच मिलेगी।

मार्च 2025 में की थी घोषणा

इजराइल को 26 हजार करोड़ के हथियार देगे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन इजराइल को 2.8 अरब डॉलर यानी करीब 26 हजार करोड़ के हथियार देने की तैयारी कर रहा है। इस पैकेज में करीब 40 हजार भारी बम शामिल हैं। हर बम का वजन 2000 पाउंड यानी करीब 900 किलो है। इन बमों की सप्लाई पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 में रोक लगाई थी। प्रस्तावित हथियार पैकेज में 20 हजार एफके84 और 20 हजार बीएल्यू-117 बम शामिल हैं।

3400 आवासी इकाइयां बनेंगी

संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बड़े हिस्से के अनुसार, अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजराइली बस्तियों का निर्माण अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप नहीं है। इजराइल इस कानूनी स्थिति को स्वीकार नहीं करता और वेस्ट बैंक को आधिकारिक तौर पर 'जुडिया एंड सारिया' कहता है। इस परियोजना पूर्वी यरुशलम और बड़े इजराइली बस्ती क्षेत्र माले अलुमीन के बीच स्थित इलाके में प्रस्तावित है। इसके तहत करीब 3,400 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाना है।

प्रस्ताव के पक्ष में 93 और विरोध में 29 मत मिले थे

एजेसी ►► वेलिंगटन

न्यूजीलैंड की संसद ने बुधवार को भारत के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 93 और विरोध में 29 मत मिले थे। भारत के साथ एफटीए को न्यूजीलैंड की संसद से मंजूरी मिलने पर पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने खुशी जताते हुए कहा कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, इस समझौते से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। सोशल



मोदी और लक्सन फाइल फोटो

मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर न्यूजीलैंड के क्रिस्टोफर लक्सन ने पोस्ट किया कि लोगों ने मुझसे कहा था कि भारत के साथ एफटीए मुम्किन नहीं है, लेकिन आज उस समझौते को संसद से मंजूरी मिल गई है।



मार्च 2025 में की थी घोषणा

मैकले ने कहा कि न्यूजीलैंड-भारत के बीच बातचीत की घोषणा मार्च 2025 में की गई थी और सरकार को उम्मीद है कि यह समझौता इस साल के आखिर तक लागू हो जाएगा। एफटीए से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को अपने बिजनेस संबंध बढ़ाने में मदद मिलेगी। 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार दोगुना होगा।

मेस्सी का ग़ैड फेयरवेल अर्जेंटीना की जर्सी में विदाई मैच

एजेसी ►► ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेस्सी भले ही अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले चुके हैं लेकिन यह स्टार स्ट्राइकर 6 अक्टूबर को अर्जेंटीना की तरफ से विदाई मैच खेल सकता है। क्लब स्तर पर इंटर मियामी की तरफ से खेल रहे 39 वर्षीय मेस्सी को घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों के लिए अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मेस्सी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि वह टीम में शामिल होंगे या नहीं, लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल के प्रमुख ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने 6 अक्टूबर को

ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निमंत्रण स्वीकार कर लिया है, जिससे वह शानदार तरीके से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह सकें। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने कहा, 'सिनियर राष्ट्रीय टीम के कोच लियोनेल स्कोलोनी के साथ बातचीत के बाद हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, हमारे आदर्श, हमारे कप्तान लियोनेल मेस्सी को आमंत्रित करने का फैसला किया, ताकि उन्हें छह अक्टूबर को वह विदाई मिल सके जिसके वे हकदार हैं।'



खबर संक्षेप



इंग्लैंड की श्रीलंका पर बड़ी जीत, ब्रूक ने टोका शतक साउथम्प्टन। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने केवल 49 गेंद पर नाबाद 114 रन की पारी खेली, जिससे इंग्लैंड ने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका को 119 रन से करारी शिकस्त दी। ब्रूक ने अपनी तुफानी पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने भी 44 गेंद पर 80 रन का योगदान दिया, जिससे इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 254 रन का विशाल स्कोर बनाने में सफल रहा। इस तरह से वह अब तक टी20 प्रारूप में बिना आउट हुए 288 रन बना चुके हैं। श्रीलंका की टीम बड़े लक्ष्य के सामने लड़खड़ा गई और 19 ओवर में 135 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से दुनिथ वेलालगे ने सर्वाधिक के 33 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से सन्नी बेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे।

एशियन गेम्स के लिए श्रीलंका महिला टीम का ऐलान



कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने एशियन गेम्स 2026 के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान किया है। टीम की कप्तान चामरी अटापट्टु के हाथों में सौंपी गई है। एशियन गेम्स के लिए चुनी गई टीम में अनुभवी और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिश्रण है। एशिया कप की टीम में शामिल कई खिलाड़ियों को एशियन गेम्स 2026 के स्क्वाड में जगह नहीं दी गई है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप और एशिया कप के दौरान शानदार प्रदर्शन करने वाली विष्मी गुणरत्ने को 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। नीलाक्षिका सिल्वा को भी टीम में जगह नहीं दी गई है। एशिया कप में श्रीलंकाई टीम में वापसी करने वाली चेतना विमुक्ति को भी टीम में जगह नहीं दी गई है। चयनकर्ताओं ने टीम में दो होनहार युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया है।

मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगी डॉटिन मेलबर्न। आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से पहले मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ी राहत मिली है। वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंज़ा डॉटिन ने एक और सीजन टीम रेनेगेड्स की तरफ से खेलने की पुष्टि की है। टी20 क्रिकेट की सबसे दमदार ऑलराउंडरों में से एक मानी जाने वाली डॉटिन डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के सभी मैचों में खेलने के बाद रेनेगेड्स के साथ अमना तीसरा सीजन शुरू करेंगी। उनकी वापसी रेनेगेड्स की ओर से वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हेली मैथ्यून के साथ फिर से करार करने के बाद हुई है। इस जोड़ी ने डब्ल्यूबीबीएल 10 में मेलबर्न के पहली डब्ल्यूबीबीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

14 जनवरी से डब्ल्यूपीएल के मुकाबले

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बताया कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का पांचवां सत्र 14 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक खेला जाएगा और इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में होगी।

बीसीसीआई ने हालांकि अभी डब्ल्यूपीएल के आयोजन के लिए मेजबान शहरों के नामों का खुलासा नहीं किया है। बीसीसीआई ने कहा, 'महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी टी20 लीग के रूप में टाटा डब्ल्यूपीएल ने इस खेल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर अपनी पहचान बनाई है।



यह लीग भारत और दुनिया भर की शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने के साथ उभरती प्रतिभाओं को शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने के अवसर भी प्रदान करती है।' खिलाड़ियों को रिटैन करने की अंतिम तारीख 28 सितंबर तय की गई है।

बीसीसीआई ने कहा कि पांचों फ्रेंचाइजी को अपने मौजूदा दल के खिलाड़ियों के साथ मिलेगा। इसके साथ ही वे आगामी सत्र के लिए अपने टीम संयोजन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू करेंगी।

आईसीसी रैंकिंग : टॉप 2 पर पहुंचे अभिषेक

एजेसी ►► दुबई

आईसीसी की ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को जबरदस्त फायदा पहुंचा है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो टी20 में दमदार प्रदर्शन करने के साथ अभिषेक बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, ईशान किशन दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही सीरीज के पहले टी20 में 82 और दूसरे मुकाबले में 39 रनों की दमदार पारी खेलने के साथ ही अभिषेक ने एक स्थान ऊपर की छलांग लगाई हैं और उन्होंने साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक और ईशान किशन के बीच अब 51 रेंटिंग प्वाइंट्स का फासला है। दूसरे टी20 में तुफानी अर्धशतकीय पारी खेलने का फायदा संजू सेमसन को भी मिला है। सेमसन चार पायदान ऊपर चढ़कर अब 30वें नंबर पर आ गए हैं।



पैरा निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप : मिली, मोना, अविनि को स्वर्ण



नई दिल्ली। मिली शाह, मोना अगवाल और अविनि लेखरा ने दक्षिण कोरिया में चांगवोन 2026 डब्ल्यूएसपीएस पैरा निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल आर2 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। राकेश निवागुडी, आनंदा कृष्णा और स्वर्ण उन्हालकर ने पुरुषों की दस मीटर एयर राइफल आर1 स्टीडिंग एसएच 1 टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। महिला टीम ने कुल 1878.6 अंक लेकर पहला स्थान पाया। मोना को व्यक्तिगत वर्ग में रजत और अविनि को कांस्य पदक मिला। आर1 वर्ग में हाथों या पैरों में विकलांगता वाले पुरुष पथलोट 10 मीटर दूर स्थित टारगेट पर निशाना लगाने के लिए खड़े या बैठे हुए अपनी राइफल का पूरा वजन खुद ही संभालते हैं। आर2 में ऐसी महिला प्रतियोगी शामिल होती हैं, जिनके पैरों में अक्षमता होती है और जो खड़े होकर या बैठकर शूटिंग करते समय राइफल को खुद ही संभालती हैं।

स्वर्ण पदक के लिए जापान पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशिया कप के बाद अब एशियन गेम्स पर फोकस

एजेसी ►► टोकियो

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि उनकी खिलाड़ी एशियाई खेलों के अनुरे माहौल का बेसवरी से इंतजार कर रही हैं।

एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम हाल की अपनी सफलताओं को जारी रखने की प्रतिबद्धता के साथ जापान पहुंची है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने हाल ही में दुबई में टी20 एशिया कप का खिताब जीता था। अब उसका पूरा ध्यान एशियाई खेलों पर केंद्रित है, जहां वह फिर से स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय टीम ने 2023 में हासिल किया था सोने का तमगा

भारतीय टीम ने 2023 में हांगझूऊ में सोने का तमगा हासिल किया था। मजूमदार ने अपने सहयोगी स्टाफ और टीम की कुछ सदस्यों के साथ पहुंचने के बाद कहा, ' टीम एशियाई खेलों में भाग लेने को लेकर उत्साहित है। वह इस बहु खेल प्रतियोगिता का पूरा आनंद लेना चाहती है।' टीम के जो सदस्य कोचिंग स्टाफ के साथ यहां पहुंचे हैं उनमें तेज गेंदबाज कर्ति गौड़ और स्पिनर श्रीचरणी भी शामिल हैं।



प्रतिस्पर्धा करने का आनंद लें खिलाड़ी

मजूमदार ने कहा कि वह चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के साथ रहने, खेल गांव के माहौल और कई खेलों वाली प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने का पूरा आनंद लें। उन्होंने कहा, ' टीम को एशियाई खेलों के माहौल का अनुभव हासिल करने का बेसवरी से इंतजार है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी इसका भरपूर आनंद लें।' उन्होंने यह भी कहा कि टीम को आवास को लेकर कोई समस्या नहीं है।

आज शाम 7.30 बजे से भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का अंतिम मैच

‘क्लीन स्वीप’ पर भारत की नजर वैभव को मिल सकता है मौका

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

पहले दोनों मैच जीत कर श्रंखला में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ गुरुवार को होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जिसमें वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को मौका मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले दो मैच में दमदार प्रदर्शन किया और अफगानिस्तान को खेल के हर विभाग में परस्त किया।

टीम संयोजन में हो सकता बदलाव

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि फिरोजशाह कोटला में होने वाले तीसरे और अंतिम मैच में टीम संयोजन में बदलाव हो सकता है ताकि सभी खिलाड़ियों को 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के लिए जापान रवाना होने से पहले जरूरी मैच अभ्यास का मौका मिल सके। अब तक के चयन से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत सूर्यवंशी को जगह देने के लिए कोई विशेष प्रयास करने को तैयार नहीं है। सूर्यवंशी ने जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर पदार्पण किया था क्योंकि तब संजू सेमसन सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। अब सेमसन और अभिषेक शर्मा दोनों ही अच्छी फॉर्म में हैं। यह दोनों खिलाड़ी एक ही प्रारूप में नियमित रूप से खेलते हैं और इसलिए वह भी विश्राम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में टीम प्रबंधन को बदलाव का फैसला करना होगा।



रेड्डी और दुबे नहीं मिला बल्लेबाजी का मौका

इसके साथ ही टीम प्रबंधन चाहेगा कि अय्यर और तिलक वर्मा को क्रीज पर कुछ समय बिताने का मौका मिले, क्योंकि शुरुआती दो मैचों में शीर्ष तीन बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से बाकी बल्लेबाजों को खेलने का खास मौका नहीं मिला। आलम यह है कि नीतीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ियों को अभी तक बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला है। नीतीश कुमार रेड्डी ने मंगलवार को दूसरे मैच में 24 रन देकर तीन विकेट लिए जो टीम के लिए अच्छा संकेत है। उन्हें चोटिल हादिक पांड्या के बैकअप के रूप में देखा जाता है। वोडिल वरुण चक्रवर्ती की जगह खेल रहे रवि बिश्नोई ने दूसरे मैच अच्छा प्रदर्शन किया और उन्हें एक और मौका दिए जाने की संभावना है। जसप्रीत भुमराह और अश्वदीप सिंह हमेशा की तरह प्रभावशाली रहे।

अफगानी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक

अफगानिस्तान को पावरप्ले में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाजों का सामना करने का तरीका दृढ़ता होना। बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और यही वजह है कि वह भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश नहीं कर पाया है। अगर अफगानिस्तान को फिर से पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है तो उसे भारत को चुनौती देने के लिए कम से कम 200 रन बनाने होंगे। एक और करारी हार के बाद अफगानिस्तान के कप्तान इबाहिम जादरान ने कहा, 'हमने इस बारे में बात की कि 150-160 के स्कोर को 200 रन में कैसे तब्दील किया जाए। अगर आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे मजबूत टीम को हराना चाहते हैं तो हमारे बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।' मैच का समय : शाम 7.30 बजे

एशियाई खेलों में खेलेंगे विपराज, वरुण बाहर

एजेसी ►► नई दिल्ली

अनुभवी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती बाजू में खिंचाव के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह लेग स्पिन ऑलराउंडर विपराज निगम को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

एशियाई खेल 19 सितंबर को जापान के आइची-नागोया में शुरू होंगे। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'वरुण अनिश्चितकाल के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। विपराज निगम और कुलदीप यादव के रूप में हमारे पास दो विकल्प थे। कुलदीप



इस महीने के आखिर में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला खेलेंगे।' आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 वर्षीय निगम ने अब तक लीग में 19 मैच खेले हैं और 13 विकेट लिए हैं। इस 21 वर्षीय इस खिलाड़ी ने लंबे शॉट लगाने की अपनी काबिलियत की भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में लगभग 176 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। एशियाई खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता 24 सितंबर से शुरू होगी।

11 साल बाद चाइना ओपन में जोकोविच की वापसी

कहा- वापसी को लेकर उत्साहित हूं



एजेसी►► नई दिल्ली

कई वर्षों के बाद लौट रहा हूं बीजिंग

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पुष्टि की है कि वह चाइना ओपन खेलने के लिए बीजिंग लौटेंगे। यह एटीपी 500 टूर्नामेंट में उनकी 11 साल बाद पहली वापसी होगी।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने सोशल मीडिया पर इस बात की घोषणा की। उन्होंने चीनी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में संदेश साझा करते हुए उस शहर में लौटने पर अपना उत्साह व्यक्त किया, जहां उन्हें अपने करियर की शुरुआत में शानदार सफलता मिली थी।

2015 में खेला था चाइना ओपन

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने आखिरी बार 2015 में चाइना ओपन खेला था। इससे पहले वह 2009 से 2015 के बीच छह बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके थे। अब 39 साल के जोकोविच एक बार फिर बीजिंग लौटने जा रहे हैं। हालांकि, उनका हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, क्योंकि यूएस ओपन 2026 में उन्हें पहले ही दौर में अर्जेंटीना के मारियानो पानेन के खिलाफ चौकने वाली हार झेलनी पड़ी थी। यूएस ओपन में मिली हार के कारण जोकोविच कई वर्षों में पहली बार एटीपी की टॉप 10 रैंकिंग से बाहर हो गए हैं। सर्बियाई खिलाड़ी अभी विश्व रैंकिंग में 12वें नंबर पर हैं।

